वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 153 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली मंगलवार 11 अगस्त 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

अंडमान को कनेक्टिविटी की सौगात

ग्रेट निकोबार द्वीप में 10,000 करोड़ रुपये के ट्रांस शिपमेंट बंदरगाह के निर्माण की योजना: मोदी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुये ग्रेट निकोबार द्वीप में 10,000 करोड़ रुपये की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अंडमान निकोबार, बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केन्द्र के रूप में विकसित होने वाला है। मोदी ने चेन्नई से अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह को तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने वाली पहली समुद्री आप्टिकल फाइबर परियोजना का वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में यह जानकारी दी। भारत की मुख्य भूमि से 2,312 किलोमीटर दूर तक इस केबल को समुद्र के अंदर बिछाया गया है जिस पर 1,224 करोड़ रुपये की लागत आई है।

इससे इस द्वीप समूह को बेहतर और सस्ती ब्रॉडबैंड'' संपर्क सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि अंडमान निकोबार को बंदरगाह से जुड़ी तमाम विकास गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह क्षेत्र दुनिया के कई ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों के मुकाबले काफी प्रतिस्पर्धी दूरी पर स्थित है। मोदी ने कहा , आज पूरी दुनिया यह मान रही है कि जिस देश में बंदरगाह का नेटवर्क और कनेक्टिविटी बेहतर होगी, वही 21वीं सदी के व्यापार को गति देगा। ऐसे में अंडमान निकोबार में हो रहे ढांचागत सुविधाओं से जुड़े कार्य, उसे विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा, अब ग्रेट निकोबार में करीब 10 हज़ार करोड़ रुपए की संभावित लागत से पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांस शिपमेंट पोर्ट) के निर्माण की योजना है। कोशिश ये है कि आने वाले 45 साल में इसके पहले चरण को पूरा कर लिया जाए। एक बार जब ये बंदरगाह बनकर तैयार हो जाएगा तो

यहां बड़ेबड़े जहाज़ भी रुक पाएंगे। इससे समुद्री व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी और युवाओं को रोजगार के नए मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अंडमान निकोबार द्वीप पर विकसित हाने वाले माल परिवहन के लिये सर्मिपत रणनीतिक कंटेनर पोतांतरण टिर्मनल के दो भौगोलिक फायदे होंगे। पहला यह व्यस्त पूर्वी पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी मार्ग के नजदीक है। यह पोतांतरण की बेहतर सुविधा देगा और कारोबारी गतिविधियां बढ़ेगी। दूसरा इस क्षेत्र में आधुनिक पीढ़ी वाले बड़े जहाजों की आवाजाही भी हो सकेगी। पोतांतरण बंदरगाह पर माल को बड़े जलपोतों से उतार कर उसके गंतव्य तक पहुंचाने वाले दूसरे छोटे जहाजों पर लादा जाता है। गहरे समुद्र में चलने वाले बड़े जलपोत कम गहराई वाले बंदरगाहों तक नहीं पहुच पाते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप प्रशासन ने पिछले साल ही ग्रेट निकोबार द्वीप में दक्षिणी खाड़ी में मुक्त व्यापार वेयरहाउसिग जोन के साथ कंटेनर पोतांतरण टिर्मनल के लिये रुचि पत्र आमंत्रित किये हैं। इससे भारतीय पोत परिवहन को कोलंबो, सिगापुर और पोर्ट क्लांग (मलेशिया) के पोतांतरण बंदरगाहों के समक्ष एक नया विकल्प उपलब होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब भारत आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, वैश्विक विनिर्माण केन्द्र के रूप में, वैश्विक आपूर्ति और मूल्य श्रृंखला के एक अहम भागीदार के रूप में खुद को स्थापित करने में जुटा है, तब हमारे जलमार्गो और बंदरगाहों के नेटवर्क को सशक्त बनाना बहुत ज़रूरी है। बीते 67 सालों से बंदरगाह विकास और बंदरगाह से जुड़ी गतिविधियों को लेकर जो काम हो रहा है, उससे देश को नई ताकत मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंडमान निकोबार में तमाम आधुनिक ढांचा तैयार हो रहा है। इससे समुद्री आर्थिकी को बढ़ावा मिलेगा। मछलीपालन, एक्वाकल्चर, सीवीड फार्मिग जैसे कई लाभों की दुनिया में चर्चा हो रही है। कई देश इनकी संभावनाओं को देख रहे हैं। मुझे खुशी है कि, अंडमान निकोबार में इसकी संभावनाओं को तलाशने के लिए पोर्ट ब्लेयर में जो पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था, उसके नतीजे उत्साहित करने वाले हैं। इससे विशेषतौर पर हमारे मछुआरे साथियों को बहुत बड़ा लाभ होगा।''

मणिपुर में सरकार बचाने में सफल रही बीजेपी विधानसभा में ध्वनिमत से जीता विश्वासमत

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । मणिपुर में बीजेपी गठबंधन वाली सरकार ने विधानसभा में ध्वनिमत से विश्वासमत जीत लिया है। मतदान के दौरान सभी 28 भाजपा विधायक, और 16 कांग्रेस विधायक मौजूद थे। कांग्रेस के 8 विधायक अनुपस्थित थे विश्वास मत के बाद, कांग्रेस विधायकों ने विरोध जताया और सदन में कुर्सी उठाकर दिवाल पर फेके।

बता दें कि मणिपुर में आज एक दिवसीय विधासनभा सत्र के दौरान बीजेपी सरकार का बहुमत परीक्षण था। परीक्षण के बाद राज्य में बीजेपी की अगुआई में चल रही गठबंधन सरकार कुर्सी बचाने में सफल रही है। परीक्षण से पहले बीजेपी और कांग्रेस ने विधायकों के लिए व्हिप जारी किया था। विधानसभा में बीजेपी के 18 और कांग्रेस के 24 विधायक हैं।

60 सदस्यों वाली विधानसभा से तीन विधायकों के इस्तीफे और चार सदस्यों के दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य करार दिए जाने के बाद अब कुल 53 सदस्य हैं। परीक्षण से पहले बीजेपी अध्यक्ष तिकेंद्र सिंह ने विश्वास जताया था कि उनकी सरकार बहुमत हासिल करेगी। उन्होंने 30 से अधिक विधायकों के समर्थन का दावा किया था।

मणिपुर में 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में कुल 60 सीटों में से कांग्रेस ने 28 सीटों पर जीत हासिल की थी और वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। इन सदस्यों में से टी श्यामकुमार को भाजपा में शामिल होने के बाद दलबदल रोधी कानून के तहत विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था।

इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने हाल ही में कांग्रेस के तीन और विधायकों के बीरेन सिंह, वाई सूरचंद्र सिंह और एस बीरा सिंह को भी अयोग्य करार दिया था। प्रदेश कांग्रेस ने जुलाई में राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट पर हुए चुनाव में कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट डालने पर दो विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

फाइनल ईयर एग्जाम स्कूल खुलने पर फैसला

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । कॉलेजों में फाइनल ईयर एग्जाम्स को लेकर अब भी देशभर में उलझन की स्थिति बनी हुई है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट में सभी कॉलेजों में फाइनल ईयर एग्जाम्स रद्द करने की याचिका पर सुनवाई जारी है। वहीं, इस मामले पर मानव संसाधन विकास संसदीय स्थायी समिति ने भी बैठक की। इस बैठक में अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के अलावा स्कूल खोले जाने और ऑनलाइन क्लासेस पर भी चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में फैसला लिया गया है कि 2020 को कॉलेजों में जीरो ईयर घोषित नहीं किया जाएगा। फाइनल ईयर की परीक्षाएं भी ली जाएंगी। हालांकि ये परीक्षाएं सितंबर में ही होंगी या नहीं, इस पर कोई निश्चित फैसला नहीं हुआ है। इस साल के अंत तक परीक्षाएं कराने की चर्चा हुई है। इस बीच महाराष्ट्र और दिल्ली ने प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए फाइनल ईयर एग्जाम्स कराने से इनकार कर दिया है।

पायलट ने राहुल व प्रियंका से की मुलाकात, सुलह के संकेत

राजस्थान में चल रही सियासी उथल-पुथल थमने और सुलह होने की उम्मीद

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । राजस्थान विधानसभा के प्रस्तावित सत्र से कुछ दिनों पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की जिससे राज्य में चल रही सियासी उथलपुथल थमने और सुलह होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के आवास पर इस मुलाकात में करीब दो घंटे तक चर्चा हुई।

पायलट के करीबी सूत्रों का कहना है कि राजस्थान कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के दोनों शीर्ष नेताओं के समक्ष विस्तार से अपना पक्ष रखा और फिर दोनों ने उनकी ड्क्षचताओं के निदान का भरोसा दिलाया। दूसरी तरफ, कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि पायलट पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ संपर्क में बने हुए थे और उनके एवं दूसरे बागी विधायकों की वापसी के लिए फार्मूले पर काम चल रहा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि पिछले कई दिनों से चली आ

रही सियासी उथलपुथल की पृष्ठभूमि में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से पायलट की मुलाकात सकारात्मक संकेत' है और अब मामला सुलझने की संभावना प्रबल हो गई है। पार्टी सूत्रों ने यह भी कहा कि बागी विधायकों में से कुछ विधायक पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस नेतृत्व के संपर्क में बने हुए हैं। पायलट की कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात विधानसभा सत्र आरंभ होने से कुछ दिनों पहले हुई है और अब राजस्थान में कांग्रेस के भीतर पिछले कुछ हफ्तों से चली आ रही उठापठक थमने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 14 अगस्त से राजस्थान विधानसभा का सत्र आरंभ होगा जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बहुमत साबित करने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री गहलोत के खिलाफ खुलकर बगावत करने और विधायक दल की बैठकों में शामिल नहीं होने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने पायलट को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री के पदों से हटा दिया था। बागी रुख अपनाने के साथ ही पायलट कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि वह भाजपा में शामिल नहीं होंगे। पायलट और उनके साथी 18 अन्य विधायकों की बगावत के कारण गहलोत सरकार मुश्किल में आ गई है। गहलोत और कांग्रेस अपनी सरकार बचाने के लिए पिछले कई हफ्तों से जुटे हुए हैं। पहले विधायकों को जयपुर के होटल में रखा गया था। बाद में उन्हें जैसलमेर के एक होटल में भेज दिया गया। पिछले कई हफ्तों से चल रहे सियासी घटनाक्रम के बीच कांग्रेस ने बारबार दोहराया है कि अशोक गहलोत सरकार के पास 100 से अधिक विधायकों का समर्थन है और उसके ऊपर कोई खतरा नहीं है।

भारतीय रेलवे की 83 महिला RPF सब-इंस्पेक्टर हुई पासआउट

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनल रेलवे से संबंधित 83 महिला सबइंस्पेक्टर कैडेट की पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। इसमें चंचल शेखावत को 'बेस्ट कैडेट' एवं 'इंडोर में सर्वश्रेष्ठ' और स्मृति बिस्वास को 'बेस्ट इन आउटडोर' चुना गया। परेड की कमान चंचल शेखावत ने संभाली।

इस अवसर पर गजानन माल्या ने महिला सबइंस्पेक्टरों को रेलवे की संपत्ति और रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए पूरे समर्पण भाव के साथ काम करने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर तबकों, महिलाओं एवं बच्चों का ध्यान रखने पर विशेष फोकस करना चाहिए क्योंकि महिलाओं एवं बच्चों की तस्करी बढ़ती जा रही है। उन्होंने युवा कैडेटों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उल्लेखनीय कार्य प्रदर्शन के लिए महिला एसआई कैडेटों को बधाई भी दी तथा इसके साथ ही यह मंगल कामना की कि वे अत्यंत प्रोफेशनल ढंग से एवं करुणा भाव के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी। इन सबइंस्पेक्टर कैडेटों को रेलवे में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए इंडोर और आउटडोर विषयों में 9 महीनों तक कठोर प्रशिक्षण दिया गया है और अंतिम परीक्षा पास करने के बाद आज उन्होंने इस अत्यंत आकर्षक परेड में भाग लिया और शपथ लेने के बाद वे रेलवे सुरक्षा बल की सदस्य बन गई हैं। यह परेड कोविड 19 से संबंधित सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के साथसाथ सामाजिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करते हुए आयोजित की गई।

चीन के केमिकल पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली । सरकार चीन को एक और झटका देने की तैयारी में है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच एजेंसी डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) ने चीन से आने वाले पीईटी रेजिन केमिकल पर प्रॉविजनल एंटीडंपिंग ड्यूटी लगाने की सिफारिश की है। इसका मकसद घरेलू कंपनियों को चीन से होने वाले सस्ते आयात से बचाना है। घरेलू कंपनियों ने शिकायत की थी कि चीन की कंपनियां भारत में डंपिंग कर रही हैं। इसकी जांच के बाद डीजीटीआर ने प्रति टन 200.66 डॉलर प्रति टन एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की सिफारिश की है।

रेजिन से प्रीफॉर्म्स बनाया जाता है जिसे फिर पीईटी बोतल और जार में कनवर्ट किया जाता है। इनमें फिर मिनरल वाटर, कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स, एडिबल ऑयल और फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट आदि की पैकिंग की जाती है। धुनसेरी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज लिमिडेट और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चीन से होने वाले सस्ते आयात के खिलाफ शिकायत की थी। शुरुआती जांच में डीजीटीआर ने पाया कि चीन इसे भ भारत में डंप कर रहा है जिससे घरेलू इंडस्ट्री को नुकसान हो रहा है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि जांच पूरी होने तक चीन से होने वाले आयात पर एंटीडंपिंग ड्यूटी लगाई जानी चाहिए। अगर कोई देश या कंपनी घरेलू बाजार से सस्ती कीमत पर किसी सामान का निर्यात करती है तो उसे डंपिंग कहा जाता है। इससे आयात करने वाले देश में कीमतें प्रभावित होती हैं और घरेलू कंपनियों के मार्जिन और मुनाफे पर चोट होती है।

महिलाओं के मुद्दे का राजनीतिकरण करना बंद करें सीएम केजरीवाल: किरण वालिया

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । राजधानी दिल्ली में महिलाओं के साथ लातार यौन शोषण से जुड़े मामले सामने आ रहे हैं. इसको लेकर दिल्ली कोंस ने कड़ा एतराज जताया है।

दिल्ली सरकार की पूर्व मंत्री और कोंस की वरिष्ठ नेता किरण वालिया ने दिल्ली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल महिलाओं के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली सरकार पूर्व मंत्री प्रो. किरण वालिया, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवानी चोपड़ा, पूर्वी दिल्ली नर निम में कोंस नेता कु0 रिंकू, नीतू वर्मा, अमरलता सांवान, अमृता धवन, ओनिका मेहरोत्रा, और रिची र्भाव मौजूद थी। संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए दिल्ली सरकार की पूर्व मंत्री किरण वालिया ने कहा कि शीला दीक्षित के कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाए ए थे. डायल अद्वअ शुरू किया या था जिस पर महिलाएं रात को अू बजे भी कॉल करती थी. इसकी मॉनिटरिं स्वयं उस समय मुख्यमंत्री शीला दीक्षित करती थी.

लेकिन मौजूदा समय में अरविंद केजरीवाल सरकार ने उन सभी योजनाओं को लभ बंद कर दिया है. हम उस समय कैमरे के सामने काम नहीं करते थे बल्कि हमारा काम बोलता था. लेकिन अभी के समय अरविंद केजरीवाल महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू किए ए सभी योजनाओं को लभ बंद कर चुके हैं, जो लत है। डायल अद्वअ को बंद करके उसके अधिकार महिला आयो को दे दिए ए लेकिन सभी को पता है कि अभी के समय महिला आयो की क्या स्थिति है।

लॉकडाउन: मोदी सरकार से खुश 74% गांववाले

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। ग्रामीण भारत की बड़ी आबादी देश में कोविड19 महामारी से लड़ने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा उठाये गये कदमों से संतुष्ट है। हालांकि, लोगों ने बहुत कठिनाइयों का भी सामना किया और कुछ तो अपनी जमीन, फोन और घड़ियां बेचने तथा पड़ोसियों से कर्ज लेने को भी मजबूर हुए।

एक राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में यह खुलासा किया गया है। मीडिया संस्था 'गांव कनेक्शन' द्वारा ग्रामीण भारत में किये गये राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण के अनुसार, लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का समर्थन करने वालों में से 37 प्रतिशत ने कहा कि वे सरकार के काम से 'बहुत संतुष्ट' हैं।

जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे केंद्र सरकार के कामकाज से 'कुछ हद तक संतुष्ट' हैं। कुल मिलाकर 74 प्रतिशत लोगों ने केंद्र सरकार के कामकाज से संतोष जताया। सर्वे के अनुसार, 78 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी

अपनी राज्य सरकारों के कामकाज से भी संतुष्ट हैं। 'गांव कनेक्शन' ने सोमवार को सर्वे रिपोर्ट जारी की और बताया कि 30 मई से 16 जुलाई, 2020 के बीच हुए इस सर्वे में कुल 25,371 प्रतिभागियों का साक्षात्कार किया गया। उसके अनुसार सभी प्रतिभागी अपने अपने घरों के प्रमुख कमाने वाले थे, इस तरह यह सर्वे पुरुष प्रधान रहा और लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाता पुरूष ही रहे। हालांकि इसमें 20 फीसदी महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) में लोकनीतिसीएसडीएस की टीम ने सर्वेक्षण की रूपरेखा तैयार की और इसका विश्लेषण किया। सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा, ''सर्वे की विविधता, व्यापकता और इसके सैंपल साइज के आधार पर मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह अपनी तरह का पहला व्यापक सर्वे है, जो ग्रामीण भारत पर लॉकडाउन से पड़े प्रभाव पर फोकस करता है।'' सर्वे में शामिल 14 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि वे मोदी सरकार से ''कुछ हद तक असंतुष्ट'' हैं, जबकि सिर्फ 7**%** ने कहा कि वे सरकार के उपायों से ''बहुत ही अधिक असंतुष्ट'' हैं।

सर्वे के अनुसार, दस में से सात लोगों (73 प्रतिशत) ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार का प्रवासी मजदूरों के प्रति रवैया अच्छा रहा। इनमें से 29 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि सरकार का रवैया 'बहुत अच्छा' रहा, वहीं 44 प्रतिशत ने कहा रवैया 'अच्छा' रहा। सर्वे के अनुसार सिर्फ 23 फीसदी या हर चार में से एक प्रतिभागी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान सरकार की व्यवस्था खराब थी, जिसमें से 9 फीसदी ने बहुत खराब और 14 फीसदी ने इसे खराब कहा। इसमें 40 फीसद लोगों ने कहा कि लॉकडाउन 'बहुत कठोर' था, जबकि 38 प्रतिशत ने कहा कि यह 'जरूरत के हिसाब से कठोर' था। वहीं 11 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि लॉकडाउन को और कठोर होना चाहिए था।

जबकि केवल 4 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्होंने कहा कि लॉकडाउन बिल्कुल नहीं होना चाहिए था। सर्वे में राज्य सरकारों के बारे में भी लोगों की धारणा काफी सकारात्मक रही। 76 प्रतिशत लोगों ने कहा कि राज्य सरकार का प्रवासियों के प्रति रवैया काफी अच्छा रहा, जबकि केवल 20 प्रतिशत ने इसे बुरा बताया। गांव कनेक्शन ने कहा, ''दिलचस्प बात यह है कि भाजपा शासित राज्यों में लोग मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा किए गए कार्यों से कम प्रभावित दिखे।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी कोरोना वायरस से संक्रमित

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई और उन्हें यहां स्थित सेना के रिसर्च ऐंड रेफरल (आरआर) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 84 वर्षीय मुखर्जी ने ट्वीट किया, अन्य कारणों से अस्पताल गया था, जहां पर आज कोविड 19 जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वर्ष 2012 से 2017 तक देश के राष्टपति रहे मुखर्जी ने ट्वीट में कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि जो लोग भी गत एक हफ्ते में मेरे संपर्क में आए हैं, वे खुद पृथक वास में चले जाएं और अपनी कोविड 19 की जांच कराएं।'' रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आरआर अस्पताल जाकर पूर्व राष्टपति के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वह अस्पताल में करीब 20 मिनट तक रहे। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित पार्टी के कई साथियों ने मुखर्जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, हम पूर्व राष्टपति प्रणब मुखर्जी के कोविड19 की बीमारी से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'' पूर्व राष्टपति के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने भी ट्वीट किया, मैं अपने पिता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं अपने देशवासियों से अपील करता हूं कि वे उनके शीघ्र ठीक होने और अछे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।'' विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, मुझे भारत के पूर्व राष्टपति प्रणब मुखर्जी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी मिली है... उनकी सेहत को लेकर चितित हूं। उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।'' कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खडग़े ने ट्वीट किया, मैं प्रणब मुखर्जी के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। मुझे भरोसा है कि वह जल्द ही इस बीमारी से उबर जाएंगे।''

एक नजर

दो महीने हो गए, ग्राहकों की कमी से अभी भी जूझ रहे दिल्ली के रेस्टोरेंट

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण काल से पहले, दिन ढलते ही दक्षिणी दिल्ली के कुछ प्रमुख मार्केट में गतिविधियां तेज हो जाती थीं। डिफेंस कॉलोनी, लाजपत नगर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और ग्रेटर कैलाश मार्केट के रेस्टोरेंट ग्राहकों से सजे रहते थे। कार पार्किंग में तिल रखने की जगह नहीं होती थी, लेकिन आज ऐसा नहीं है। कोरोना ने सब कुछ बदल दिया है। दिल्ली में रेस्टोरेंट खुले करीब दो महीने हो चुके हैं, लेकिन पहले के मुकाबले अभी आधे ग्राहक भी नहीं आ रहे हैं। केंद्र सरकार की अनलॉक1 घोषणा के साथ ही दिल्ली सरकार ने 8 जून को शर्तों के साथ भोजनालय और जलपान गृह को खोलने की इजाजत दी थी। दो महीने हो गए, लेकिन अभी भी अधिकतर रेस्टोरेंट के मालिक ग्राहकों की कमी से जूझ रहे हैं। हालांकि उनकी उम्मीद अभी भी बरकरार है कि अच्छे दिन फिर आएंगे। दक्षिणी दिल्ली न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित ग्रांडले मार्केट में चावला चिकन कार्नर के मालिक जगन चावला ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया, 'पहले के मुकाबले अभी आधे से भी कम ग्राहक रह गए हैं, लेकिन धीमेधीमे ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है।

कोरोना और चीन की वजह से समार्टफोन इंडस्ट्री का 51 फीसदी बाजार साफ

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन ने देश की अर्थव्यवस्था की कमर ही तोड़ दी है। साथ ही सैन्य गतिरोध के बाद चीन के साथ खटाई में पड़े संबंधों ने कई इंडस्ट्री का हालत पतली कर दी है। इसकी सबसे अधिक मार सहन करने वाली इंडस्ट्री में स्मार्टफोन इंडस्ट्री है, जिसके लिए अप्रैल से जून के दौरान सप्लाई 51 फीसदी तक घट गई। इस इंडस्ट्री को अब सितंबर अक्टूबर से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन से खासी उम्मीदें हैं। स्मार्टफोन शिपमेंट ट्रैंक करने वाली आईडीसी के अनुसार, साल 2020 की दूसरी तिमाही के दौरान भारत में 1.8 करोड़ से कुछ अधिक यूनिट की ही बिक्री की गई, जबकि बीते साल इसी अवधि के दौरान 3.7 करोड़ यूनिट की बिक्री दर्ज की गई थी। आईडीसी ने कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पूरा देश लॉकडाउन में रहा। वेंडर्स को सप्लाई चेन से जुड़ी समस्याओं से जूझना पड़ा। पूरे समय किल्लत बनी रही क्योंकि फैक्ट्रियां क्षमता से कम काम कर रहीं थी।' आईडीसी ने आगे कहा कि पुर्जो का कारोबार भी प्रभावित रहा।

इंडसइंड बैंक ने खरीदी एवरेडी इंडस्ट्रीज की 7.82 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। निजी सेक्टर के बैंक इंडसइंड बैंक ने शनिवार को बैट्री कंपनी एवरेडी इंडस्ट्रीज की 7.82 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। लोन डिफॉल्ट के बाद बैंक ने गिरवी रखे शेयरों को अपने नाम कर लिया। बैंक ने एवरेडी इंडस्ट्रीज के 56,83,320 पेडअप शेयरों का अधिग्रहण किया, जो 7.82 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। इसके अलावा इंडसइंड बैंक ने डिफॉल्ट के बाद चाय कंपनी मैकलॉयड रसेल के भी 78,32,253 शेयर या 7.5 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। बाजार को दी गई जानकारी में बैंक ने कहा, 'विलियमसन मैगर एंड कंपनी ने एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया के शेयर बैंक के पास गिरवी रखे थे और कर्ज लेने वाली कंपनी सीजुली डेवलपर्स एंड फाइनेंस (सीजुली) के कर्ज को सुरक्षित किया था। इसी तरह, विलियमसन मैगर ने मैकलॉयड रसेल के शेयर भी गिरवी रख कर सीजुली के कर्ज को सुरक्षित किया था। इस बकाया राशि को वसूलने के लिए बैंक ने गिरवी रखे शेयरों का अधिग्रहण किया है।

राज्यसभा कर्मचारियों के लिए खत्म होगी आवासीय समस्या

सभापति वेंकैया नायडू ने 46 करोड़ रुपये की परियोजना की आधारशिला रखी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । राज्य सभा सचिवालय के कर्मचारियों के लिए आवास की जबरदस्त कमी को दूर करने के लिए, राजधानी के, आर.के.पुरम सेक्टर 12 इलाके में 40 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने आज उपराष्ट्रपति निवास से पट्टिका का अनावरण करते हुए 46 करोड़ रुपये के आवासीय परिसर की आधारशिला रखी। इस अवसर पर केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों और नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी उपस्थित थे। अनावरण के बाद,नायडू ने 2003 के शुरू में सचिवालय के लिए आवंटित भूमि का उपयोग करने में हुई देरी पर चिंता व्यक्त की, यहां तक कि सचिवालय के कर्मचारियों को भी आवास की जबरदस्त कमी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आवास परियोजना शुरू करने में 17 साल की लंबी अवधि लगी। नायडू ने सामाजिकआर्थिककानूनी प्रशासनिक विवरण का उल्लेख किया जिसके परिणामस्वरूप बहुमूल्य भूमि संसाधन का उपयोग नहीं हो सका। सभापति ने इस भूखंड के उपयोग के रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए आवास और शहरी मामलों के मंत्री पुरी, आवास और शहरी मामलों के सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, दिल्ली सरकार, डीडीए, डीयूएसआईबी के वरिष्ठ अधिकारियों, विकास अधिकारी और अन्य

संबंधित अधिकारियों के साथ पिछले दो वर्षों में कई दौर की बैठकों का उल्लेख किया। इसके अलावा, नायडू ने उपराज्यपाल अनिल बैजल और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी इस संबंध में बात की। नायडू ने कहा कि परिसम्पत्ति निदेशालय द्वारा वर्ष 2003 में राज्य सभा सचिवालय के लिए भुगतान करने पर आवंटित 8,700 वर्ग मीटर की इस बहुमूल्य भूमि का यदि समय पर इच्छित उद्देश्य के लिए उपयोग कर लिया गया होता, सचिवालय को घर के किराए के रूप में काफी फायदा हो सकता था इसके अलावा अब तक निवेश का पर्याप्त हिस्सा वसूला जा सकता था। सचिवालय द्वारा एनडीएमसी परिसर में राज्य सभा टेलीविजन को स्थापित करने के लिए भुगतान किए जा रहे 30 करोड़ रुपये के वार्षिक किराए का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आर. के. पुरम की भूमि पर चैनल को स्थानांतरित करने का भी काफी फायदा हुआ होगा। भूमि के उपयोग में देरी के परिणामों की जानकारी देते हुए, नायडू ने कहा कि राज्य सभा सचिवालय के कर्मचारियों की आवास मांग केवल 38% की तक पूरी की जा रही है, जबकि दिल्ली में केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के मामले में आवास की मांग संतुष्टि 67% है। नायडू ने कहा कि सचिवालय के कर्मचारियों के लिए टाइप III और टाइप IV क्वार्टर के संबंध में आवास की कमी 72% के आदेश के अनुसार है, नायडू ने कहा कि आर.के. पुरम के आवासीय परिसर में 4024 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में पहले चरण में टाइप III के 32 और टाइप IV के 28 क्वार्टर बनाए जाएंगे। वर्तमान में सचिवालय के 1,400 अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए केवल 536 आवास इकाइयाँ उपलब्ध हैं। यह देखते हुए कि कार्य स्थल के करीब आवास का प्रावधान कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित करता है, नायडू ने राज्यसभा सचिवालय के कर्मचारियों के लिए अपर्याप्त आवास उपलब्धता पर चिंता व्यक्त की, विशेषकर उस समय जब सदन के सत्र के दौरान उन्हें लंबे समय तक काम करना पड़ता है। आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री के रूप में रियल एस्टेट विनियमन और विकास अधिनियम, 2016 के कानून बनने के साथ के समय को याद करते हुए, नायडू ने कहा कि इस दूरगामी कानून ने निश्चित रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र को अलग बना दिया है ।

देश में पिछले 24 घंटे में आए 62 हजार से अधिक नए मरीज, एक हजार की हुई मौत

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । भारत में कोरोना संक्रमण सबसे तेजी से फैल रहा है. देश में कुल संक्रमितों की संख्या 22 लाख के पार पहुंच गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में अबतक 22 लाख 15 हजार 74 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं।

इनमें से 44,386 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 लाख 35 हजार लोग ठीक भी हुए हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 62 हजार नए मामले सामने आए और 1007 मौतें हुईं।ये आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है. अमेरिका और ब्राजील में क्रमश- 47,849 और 22,213 मामले आए हैं। वहीं क्रमश- 534 और 593 मौतें हुई हैं। ये चौथा दिन है जब भारत में 60 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। कोरोना संक्रमितों की संख्या के हिसाब से भारत दुनिया का तीसरा सबसे प्रभावित देश है।

अमेरिका, ब्राजील के बाद कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित भारत है. लेकिन अगर प्रति 10 लाख आबादी पर संक्रमित मामलों और मृत्युदर की बात करें तो अन्य देशों की तुलना में भारत की स्थिति बहुत बेहतर है. भारत से अधिक मामले अमेरिका (5,199,444), ब्राजील (3,035,582) में हैं. देश में कोरोना मामले बढ़ने की रफ्तार भी दुनिया में तीसरे नंबर पर बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में कुल 22 लाख मामले सामने आ चुके हैं. इन मामलों में एक्टिव मरीजों की संख्या 6 लाख 35 हजार है। आंकड़ों के मुताबिक, मृत्यु दर गिरकर 2 फीसदी पर आ गई है. यह लगातार 11वां ऐसा दिन है जब संक्रमण के 50,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं. देश में कोरोना वायरस के लिए जांच की क्षमता को बढ़ाते हुए एक दिन में सात लाख से अधिक नमूनों की जांच की गयी है और अब तक कुल 2,45,83,558 नमूनों की जांच की जा चुकी है. मंत्रालय ने कहा कि एक दिन में जांच की संख्या तेजी से बढ़ रही है और भारत में पिछले कई दिन से रोजाना छह लाख से अधिक नमूनों की जांच की जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में सबसे ज्यादा एक्टिव केस महाराष्ट्र में हैं।

बच्चों नें चलाया पौधे लगाने का संकल्प अभियान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की समाजसेवी संस्थाओं वृक्ष मित्र, निशा निशा जैन फाउंडेशन, स्पर्श ए टच सोसाइटी, नीम टीम द्वारा एक संकल्प चलाया गया, जिसमें बच्चों के द्वारा पौधे लगाने का कार्यक्रम चलाया गया, बच्चों के लिए सुविधा अनुसार गूगल फॉर्म भरकर रजिस्ट्रेशन किया और दिए गए लिंक पर पौधों की फोटो भेजी। 20 जुलाई से 31 जुलाई तक आयोजित इस प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने बड़े ही उत्साह से अपने घर के आसपास पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया .निर्णायक मंडल की भूमिका निभाने वाले विनय एवं गौरव दत्त ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर 6 बच्चों का चयन किया और बच्चों को मोमेंटो देकर प्रोत्साहित किया गया एवं अन्य 10 प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

पुरस्कृत किए जाने वाले बच्चों में खासतौर से प्रथम स्थान पर रही पूजा, रक्षित, त्रिशा प्रत्यूष, अनमोल आदित्य, विरेष, अनुनय, माधव कृतिशा, रेनिशा जैन, पीहुल जैन आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने के लिए तीनों निगम मिलकर चलाएंगे विशेष स्वच्छता अभियान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 10 अगस्त । दिल्ली के तीनों नगर निगम के महापौर ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर बताया कि दिल्ली की तीनों नगर निगम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'गंदगी भारत छोड़ो' अभियान के अंतर्गत पूरी दिल्ली में गंदगी मुक्त करने के लिए अभियान चलाएंगी।

इस मौके पर उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'गंदगी भारत छोड़ो' अभियान के अंतर्गत दिल्ली नगर निगम गंदगी मुक्त दिल्ली अभियान चलाएगी। इस अभियान में हर क्षेत्र के सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया जाएगा। इसके अंतर्गत ठोस अपशिष्ट पदार्थों का निपटान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम प्रति दिन 4500 मीट्रिक टन कूड़ा उठाती है जिसमें से 2300 मीट्रिक टन कूड़ा नरेला बवाना संयंत्र में भेजा जाता। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 550 डलाव है जिस में से 303 डलावो को बंद कर के 61 कॉम्पेक्टर मशीनें लगाई गई हैं।

उन्होंने बताया कि निगम कूड़ा

निष्पादित के लिए निगम 55 कॉम्पेक्टर मशीनें और 6 मोबाईल कॉम्पेक्टर मशीनें लगाएगी। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम 15 ट्रॉम्मेलिंग मशीनों के माध्यम से भलस्वा लैंडफिल साइट पर 2000 मीट्रिक टन कूड़े का निपटान कर रही हैं। जय प्रकाश ने कहा की इस अभियान को सफल बनाने के लिए नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों से दिल्ली को स्वच्छ और हरभरा बनाने में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद करने की अपील की। जय प्रकाश ने कहा कि इस अभियान में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता संबंधित गतिविधियों के बारे में जागरूक किया जाएग। महापौर अनामिका ने प्रेस वार्ता में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे 'गंदगी भारत छोड़ो अभियान' की शुरुआत करते हुए आज प्राथमिक विद्यालय जैतपुर में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी निगम भी अपने सभी 104 वार्ड में स्थानीय पार्षदों, आरडब्ल्यूए, मार्किट एसोसिएशन, धार्मिक और समाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर ऐसे सफाई अभियान चलाएगा।

दिव्यांग छात्रों को आरक्षण न देने पर यूपीएससी को हाई कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 10 अगस्त (वेबवार्ता)। दिल्ली हाई कोर्ट ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रीलिम्स परीक्षा में दिव्यांग छात्रों को वैधानिक आरक्षण नहीं देने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली बेंच ने यूपीएससी और केंद्र सरकार को 31 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। संभावना सोसायटी ने दायर याचिका में कहा है कि यूपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा के लिए जारी नोटिफिकेशन में नियुक्तियों का सही आंकड़ा नहीं बताया गया है। उसकी जगह नोटिफिकेशन में कहा गया है कि संभावित नियुक्तियां 796 पदों पर होंगी। ऐसी स्थिति में दिव्यांग कैटेगरी के लिए 4 फीसदी पदों की गणना करना असंभव है। याचिका में कहा गया है कि यूपीएससी के नोटिफिकेशन में संभावित नियुक्तियों जैसे शब्द का इस्तेमाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ है।

याचिका में कहा गया है कि अगर संभावित नियुक्ति जैसे शब्द को स्वीकार भी कर लिया जाए तो भी 796 नियुक्तियों के हिसाब से 32 सीटें दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए होनी चाहिए लेकिन नोटिफिकेशन में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 24 सीटें बताई गई हैं। याचिका में कहा गया है कि ये गंभीर गणितीय चूक है। याचिका में कहा गया है कि मंत्रालयों से पूछने पर दिव्यांगों के लिए बैकलॉग नियुक्तियों की कोई जानकारी नहीं दी गई है।

रोजगार योजना पर दिल्लीवालों को गुमराह कर रहे हैं केजरीवालः आदेश गुप्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 10 अगस्त । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि रोजगार योजना में फेल हो चुकी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी फिर से यह योजना शुरू करके राजधानी की जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से बाइस्कोप में घुमा फिराकर एक ही तस्वीर दिखाई जाती है उसी तरह केजरीवाल सरकार फ्लॉप हुई पुरानी योजनाओं को दोबारा शुरू करती रहती है। प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने सोमवार को प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि कभी ऑडईवन, कभी डोर स्टेप डिलीवरी, कभी ईव्हीकल और कुछ दिनों पहले ही केजरीवाल सरकार ने रोजगार योजना की शुरुआत की है जो दो साल पहले भी शुरू की गई थी,

लेकिन फेल हो गई थी। इस योजना के लिए केजरीवाल सरकार ने 34 करोड़ 41 लाख रुपये खर्च किए थे, लेकिन रोजगार सिर्फ 334 लोगों को ही मिला था। अब एक बार फिर से दिल्ली के लोगों को रोजगार के नाम पर बरगलाने के लिए केजरीवाल सरकार रोजगार योजना लेकर आई है जहां पर रोजगार की गारंटी ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 2018 में भी केजरीवाल सरकार ने रोजगार मेले का जमकर प्रचारप्रसार किया था। उसी तरह इस साल केजरीवाल सरकार ने यह घोषणा की है कि नौकरी पाने वाले और नौकरी देने वाले दोनों ही दिल्ली सरकार के जॉब पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं और नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। दिल्ली के श्रममंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को दावा किया कि जॉब पोर्टल पर 9 लाख से ज्यादा वैकेंसी हैं ।

नौकरी पाने वालों का विवरण वेबसाइट पर डाले केजरीवाल सरकारः बिधूड़ी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (वेबवार्ता)। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल सरकार ने जिन 10 लाख लोगों को अपने 'रोजगार बाजार' वेब पोर्टल या ऐसे ही अन्य प्रयासों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की घोषणा की है, उनके नाम, मोबाइल नम्बर, उन्हें किनकिन संस्थानों में रोजगार मिले हैं आदि का पूरा विवरण दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर डाला जाए। यदि सरकार ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराए हैं तो यह अच्छी बात है। हम इसका स्वागत करते हैं। बिधूड़ी ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में कहा कि यह बताया जाना जरूरी है कि

संबंधित लोगों को किनकिन संस्थानों और किन कंपनियों में किन पदों पर रोजगार दिया गया है और इन लोगों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन की विभिन्न श्रेणियों के तहत वेतन दिया भी जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कोरोना महामारी के दौरान आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से यह दावा किया गया कि प्रतिदिन 10 लाख लोगों को रोज पका हुआ भोजन परोसा जा रहा है।

दिल्ली में 5 दिन बाद 707 केस सामने आए, रिकवरी रेट 90% हुआ

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । देश की राजधानी दिल्ली में 5 दिन बाद एक हजार से कम कोरोना वायरस के नए मामले सामने आए हैं। सोमवार को दिल्ली में कोरोना वायरस के 707 नए केस सामने आए हैं। वहीं, 24 घंटे में कोरोना वायरस की चपेट में आने से 20 लोगों की मौत हुई है।

इससे पहले रविवार को 1,300 केस आए जबकि शनिवार को दिल्ली में 1,404 नए मामलों का पता चला। शुक्रवार को 1,192 नए मामले सामने आए थे। वहीं, गुरुवार को 1299, बुधवार को 1076, मंगलवार को 674 और सोमवार को 805 नए मामलों का पता चला था। दिल्ली में कोरोना वायरस के कुल मामले 146134 हो गए हैं। वहीं, अब तक कोरोना वायरस के 131657 मरीज रिकवर हो चुके हैं। दिल्ली में अबतक कोरोना वायरस से 4131 लोगों की मौत हो चुकी हैं। दिल्ली में अब भी कोरोना वायरस के 10346 पॉजिटिव केस हैं।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को ट्वीट कर जानकारी दी कि दिल्ली में कोरोना के 90% मरीज अब ठीक हो चुके हैं। अभी केवल 7% मामले सक्रिय हैं। उन्होंने कहा धीरेधीरे और लगातार, दिल्ली के लोग कोरोना को हरा रहे हैं। देश की राजधानी ने कोरोना वायरस पर 90 फीसदी तक काबू पा लिया है। दूसरे शब्दों में कहें तो यहां कोरोना के 90 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के

मुताबिक, दिल्ली में रिकवरी रेट 89.79% हो गया है। यहां अबतक आए कुल 1,45,427 मामलों में से 1,30,587 मरीज ठीक हो चुके हैं। रिकवरी रेट के मामले में दिल्ली देश में पहले नंबर पर है। दिल्ली में फिलहाल 10,729 मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। इनमें से आधे होम आइसोलेशन में हैं। रविवार को कोविड की संक्रमण दर 5.46 पर्सेंट रही। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में कोरोना की स्थिति काफी नियंत्रण में है। दिल्ली में सभी पैरामीटर्स अच्छे हो रहे हैं। पॉजिटिविटी औसत और मौतें भी कम हो रही है। अंबेडकर अस्पताल में शुरू कोविड समर्पित 200 बेड दिल्ली की स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने करने में बहुत बड़ा कदम है।

दिल्ली के अस्पतालों में 13,527 बेड, कोरोना रोगियों के लिए आरक्षित रखे गए हैं। इनमें से 3084 बेड उपयोग में है जबकि 10,443 बेड विभिन्न अस्पतालों में रिक्त पड़े हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को कहा था कि मामले बढ़ने के पीछे बाहरी लोग जिम्मेदार हैं। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा था, कुछ रिपोर्ट्स हैं कि दिल्ली में कोविड 19 के मामले बढ़ रहे हैं। इसकी वजह ये है कि दिल्ली से बाहर के बहुत सारे लोग यहां आकर टेस्ट करा रहे हैं। इसके चलते यहां पर पॉजिटिव केसेज की संख्या बढ़ रही है। नहीं तो, दिल्ली में कोविड19 मामलों का ट्रेंड घट रहा है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में कोरोना की स्थिति काफी नियंत्रण में है। दिल्ली में सभी पैरामीटर्स अच्छे हो रहे हैं। पॉजिटिविटी औसत और मौतें भी कम हो रही है। अंबेडकर अस्पताल में शुरू कोविड समर्पित 200 बेड दिल्ली की स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने करने में बहुत बड़ा कदम है।÷ दिल्ली के अस्पतालों में 13,527 बेड, कोरोना रोगियों के लिए आरक्षित रखे गए हैं। इनमें से 3084 बेड उपयोग में है जबकि 10,443 बेड विभिन्न अस्पतालों में रिक्त पड़े हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को कहा था कि मामले बढ़ने के पीछे बाहरी लोग जिम्मेदार हैं।

उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा था, कुछ रिपोर्ट्स हैं कि दिल्ली में कोविड19 के मामले बढ़ रहे हैं। इसकी वजह ये है कि दिल्ली से बाहर के बहुत सारे लोग यहां आकर टेस्ट करा रहे हैं। इसके चलते यहां पर पॉजिटिव केसेज की संख्या बढ़ रही है। नहीं तो, दिल्ली में कोविड19 मामलों का ट्रेंड घट रहा है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

अमेजन ने लॉन्च किया 'अमेजन ईजी' का नया वर्जन

नई दिल्ली। ईकॉमर्स कारोबार की दिग्गज कंपनी अमेजन में अमेजन इन इजी स्टोर फॉर्मेट लॉन्च किया है। वास्तव में इजी अमेजन की बहुत सारी सेवाओं के लिए सिंगल टचपॉइंट की तरह काम करेगा। अमेजन इजी फॉर्मेट में लोगों को टच एंड फील प्रोडक्ट एक्सपीरियंस करने का मौका मिलेगा, जिसमें सामान की फिजिकल डिस्प्ले की जाएगी। अमेजन ने एक बयान में यह जानकारी दी है। अमेजन का यह फॉर्मेट इस लिहाज से भी इंपोर्टेंट है क्योंकि बहुत से लोग ऑनलाइन शॉपिंग में इसलिए कंफर्टेबल नहीं होते क्योंकि वह प्रोडक्ट को देख और फील नहीं कर सकते। अब अमेजन के इजी स्टोर के माध्यम से लोगों की यह शिकायत भी दूर हो जाएगी। अमेजन के इजी स्टोर से ग्राहक अमेजन इंडिया की वेबसाइट से किसी सामान का आर्डर प्लेस कर सकते हैं। इस पर लगे उपकरण में गाइडेड असिस्टेंट की मदद मिलेगी। इसे स्टाफ की मदद से ऑपरेट किया जा सकता है। इस तरह के इजी स्टोर से सामान का आर्डर कर उसे वहीं से पिक किया जा सकता है या उसकी होम डिलीवरी कराई जा सकती है। अमेजन इजी स्टोर के मालिक अमेजन की लास्ट माइल डिलीवरी प्रोग्राम में भाग ले सकते हैं। आई हैव स्पेस नाम के इस प्रोग्राम में पैकेज की डिलीवरी के लिए कारोबार शुरू किया जा सकता है।

अगस्त के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने किया 8,327 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजारों में 8,327 करोड़ रुपये डाले हैं। भारत की बड़ी कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच एफपीआई ने अपना निवेश बढ़ाया है। डिपॉजिटरीज से मिले ताजा आंकड़ों के अनुसार, 3 से 6 अगस्त के दौरान विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में 7,842 करोड़ रुपये डाले, जबकि डेट बाजार में उनका निवेश 485 करोड़ रुपये रहा। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 8,327 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इससे पहले के दो महीनों में भी विदेशी निवेशक नेट रूप से खरीदार रहे हैं। उन्होंने जुलाई में 3,301 करोड़ रुपये और जून में 24,503 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बाजार दिग्गजों के अनुसार, जून तिमाही के अच्छे नतीजों ने भारत की दिग्गज कंपनियों का आकर्षण बढ़ा दिया है। ग्रो के सहसंस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि लॉकडाउन और कोविड19 के बढ़ते मामलों के बावजूद भारत की बड़ी कंपनियों का तिमाही नतीजा बेहतर रहा है। इसी के अनुरूप एफपीआई ने अपना निवेश भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'बड़ी कंपनियों के शेयरों की 'लोकप्रियता' बढ़ रही है, जबकि स्मॉल और मिडकैप शेयरों की मांग घट रही है।' उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही लिक्विडिटी ने दुनियाभर के इक्विटी बाजारों को सपोर्ट प्रदान किया है।

गुरुद्वारा परिसर से 7 दिन में बंद हो अकाली दल का दफ्तर !

शिरोमणि अकाली दल का कार्यालय खाली करने के लिए भेजा लीगल नोटिस

(लोकेश निरवाल)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में स्थित शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रदेश कार्यालय को लेकर कानूनी पेंच फंस गया है। दिल्ली के एक आम सिख जगविंदर सिंह ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महाप्रबंधक को एक कानूनी नोटिस भेज कर राजनीतिक दल का दफ्तार 7 दिनों के भीतर बंद कर खाली करने को कहा है। साथ ही इसकी जानकारी संबंधित पुलिस स्टेशन में भी बताने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर कमेटी प्रबंधन के खिलाफ अदालत का दरवाजा भी खटखटाएंगे।

अकाली दल राजनीतिक पार्टी है इसलिए धार्मिक स्थल पर कार्रवाई नहीं चला सकते

अपने वकील कुलजीत सिंह सचदेवा के माध्यम से भेजे गए लीगल नोटिस के अनुसार जगविंदर सिंह ने बताया कि शिरोमणि अकाली दल (बादल) भारतीय चुनाव आयोग में पंजीकृत राजनीतिक पार्टी है, जिस वजह से किसी भी धार्मिक स्थान पर उसका कार्यालय नहीं चलाया जा सकता है। ना ही कोई राजनीतिक गतिविधियां भी चलाई जा सकती हैं।

जगविंदर सिंह ने इस संबंधी धार्मिक स्थान दुरूपयोग निवारण अधिनियम 1988 की धारा3 का हवाला दिया। साथ ही दावा किया गया है कि किसी भी धार्मिक स्थान से किसी भी राजनीतिक दल को नहीं चलाया जा सकता है।

उनके मुताबिक अभी तक कार्यालय चलाने में आए खर्चे को भी शिरोमणि अकाली दल से वसूलने की दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महाप्रबंधक को सलाह दी गई है। इसके अलावा दफतर चलने के कारण, स्टाफ, बिजली, पानी, राशन, लंगर पर कमेटी का करोड़ों रुपये खर्च होने का भी दावा किया गया है।

जगविंदर सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यालय की जगह जरूरतमंद बच्चों के लिए एक कोचिंग या शैक्षणिक सेंटर खोला जाना चाहिए, ताकि बच्चें वहां आकर अपना अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि गुरु की गोलक का लाखों रुपये का नुकसान इस पार्टी ने किया है, लिहाजा इसकी भरपाई पार्टी से की जानी चाहिए।

उधर, इस सबंध में शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली प्रदेश ईकाई ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। जबकि, गुरुद्वारा कमेटी के मैनेजर से इस बावत बात की गई तो उन्होंने किसी भी लीगल नोटिस मिलने से इनकार किया है।

MBBS छात्र ने AIIMS के हॉस्टल की छत से कूदकर खुदकुशी की

नई दिल्ली । एम्स के हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से एक एमबीबीएस के छात्र ने छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। छात्र को बेंगलुरु का रहने वाला बताया जा रहा है। छात्र की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, उसका इलाज एम्स के मनोरोग वार्ड में चल रहा था। दिल्ली पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

साउथ दिल्ली के डीसीपी से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब 6 बजे एम्स अस्पताल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति हॉस्टल की छत से कूद गया है। उसके बाद तुरंत मौके पर पुलिस टीम पहुंची। घायल व्यक्ति को तुरंत ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान मेडिकल छात्र विकास के रूप में की गई, जो बेंगलुरु का स्थायी निवासी था। उसकी उम्र 22 साल थी। उन्होंने बताया कि मृतक मनोरोगी था, जिसे इलाज के लिए मनोरोग वार्ड में भर्ती कराया गया था। पूछताछ के दौरान पता चला कि मृतक ने वार्ड से एक घंटे की छुट्टी ली थी और कथित तौर पर छात्रावास की छत से कूद गया था, जिसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में इंटरस्टेट बसों की नो एंट्री

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । दिल्ली में बाहरी राज्यों से आने वाली बसों की एंट्री पर रोक जारी रहेगी। अनलॉक 3 में इंटरस्टेट बसों के परिचालन को लेकर परिवहन विभाग द्वारा भेजे प्रस्ताव पर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कोई फैसला नहीं लिया है। हालांकि DDMA ने परिवहन विभाग के इस से इसके लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार करने के लिए कहा है। फिलहाल बाहरी राज्यों की बसों की एंट्री दिल्ली में 15 से 20 दिन के बाद ही हो सकेगी। बता दें कि लॉकडाउन से पहले कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां आईएसबीटी में रोजाना करीब 30,0000 यात्रियों की आवाजाही होती थी और रोजाना लगभग 3500 बसे इन आईएसबीटी पर बाहरी राज्यों से आती थी। सूत्र बताते हैं कि राजस्थान ने अपनी बसों की दिल्ली में एंट्री को मंजूरी देने की मांग की थी। इस पर परिवहन विभाग ने प्रस्ताव बनाकर फाइल दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में इस पर निर्णय लेने के लिए भेजा था, लेकिन डीडीए मैंने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया। अलबत्ता परिवहन विभाग को

इंटरस्टेट बसों के परिचालन के लिए फुलप्रूफ एसओपी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि अनलॉक की प्रक्रिया में केंद्र ने इंटरस्टेट बसों के परिचालन की अनुमति दी है। हालांकि एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजस्थान सहित सभी को इंटरस्टेट बसों की दिल्ली में अभी एंट्री नहीं देने की जानकारी दी गई है। सभी का यही मानना है कि बड़ी मुश्किल से दिल्ली में कोरोना पर नियंत्रण पाया गया है। ऐसे में भी इंटरस्टेट बसों के परिचालन की अनुमति देना उचित नहीं है।यही वजह है कि डीडीए में द्वारा इसके लिए एसओपी बनाए जाने के निर्देश के बाद भी अभी इसे लेकर कोई सुगबुगाहट नहीं दिखाई दे रही है। इंटरस्टेट बस यात्रियों का बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश और हरियाणा का है।

लॉकडाउन से पहले रोजाना करीब 1519 बसे उत्तर प्रदेश से आती थी जबकि हरियाणा से 757 बसें से आती थी। बाकी अन्य राज्यों से होती थी। परिवहन विभाग के स्पेशल कमिश्नर केके दहिया के अनुसार यह सरकार का नीतिगत मामला है और इंटरस्टेट बसों के परिचालन पर विचार किया जा सकता है। फिलहाल मेट्रो और लोकल ट्रेनों के साथ इंटरस्टेट बसों के बंद होने से ऐसे लोगों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है जो रहने वाले दिल्ली से सटे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के जिलों के हैं लेकिन काम दिल्ली में करते हैं।

मरीज का धन लेकर चंपत हुआ एम्स का कर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)) में आंखों का आपरेशन कराने गये एक मीडियाकर्मी के नकद साठ हजार रूपये लेकर चंपत होने के आरोप में 52 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सतीश कुमार धामा के रूप में की गयी है। वह नर्सिंग सहायक के रूप में काम कार्यरत था और एक एजेंसी के माध्यम से उसकी सेवा ली गयी थी। वह उत्तराखंड के हरिद्वार का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार मरीज 25 जुलाई को आंख का आपरेशन कराने के लिये एम्स गया था। प्रक्रियाओं से गुजरने से पहले उसने साठ हजार रुपये धामा को थमा दिया जो अस्पाल में उसका मेडिकल सहायक था। मरीज ने उससे कहा कि प्रक्रियाओं के पूरा होने तक वह इंतजार करे लेकिन इससे पहले ही आरोपी पैसे लेकर चंपत हो भाग गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण अतुल कुमार 'हमने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया और हरिद्वार, गाजियाबाद और नोएडा में छापेमारी की ।

ट्रांसपोर्टरों ने टैक्स छूट की मांग को लेकर की बैठक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 10 अगस्त । भाईचारा ऑल इंडिया ट्रक ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने मुंडका में बैठक की जिसमें दिल्ली प्रदेश के सभी पदाधिकारी शामिल हुए गाड़ी चालक के विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष सोमदत्त ने कहा लॉक डाउन के दौरान दिल्ली में सभी कैमरा चालू कर दिए गए। जिसकी जानकारी ड्राइवरों को नहीं थी। इस वजह से हर गाड़ी के 40 से 50 तक कि संख्या में चालान तक हो गए जिनको भरना गाड़ी मालिक के बस के बाहर की बात है। लॉकडाउन की वजह से ट्रांसपोर्टर की हालत बहुत खराब हो चुकी है इसलिए सरकार से अनुरोध है कि लॉकडाउन के दौरान हुए सभी चलान को माफ किया जाए लॉक डाउन के दौरान गाड़ियां सिर्फ एसेंशियल सर्विसेज जरूरी सामान में ही चली है दूसरा सरकार ने हमसे जो झूठे वादे किए जैसे लॉकडाउन के दौरान जो हमें मोरटोरियम दिया गया था उस पर अत्याधिक ब्याज वसूला जा रहा है सरकार से अनुरोध है मोरटोरियम के दौरान जो किस्तों की छूट दी गई थी उस पर कोई भी ब्याज ना लिया जाए क्योंकि ट्रांसपोर्ट सेक्टर

पूरी तरह चौपट हो चुका है ट्रांसपोर्ट किस्त भरने की स्थिति में नहीं है और ऊपर से यह ब्याज का बोझ और डाल दिया गया है तीसरा हर साल गाड़ियों से जुड़ी हर चीज महंगी होती जा रही है चाहे उसमें स्पेयर पार्ट है या टायर और इंश्योरेंस हो और अब BS6 गाड़ियां आने के कारण गाड़ियों के रेट में 4 से 5 लाख की बढ़ोतरी हो गई है लेकिन हमारे किराए बढ़ने के बजाय घटते ही जा रहे हैं जिससे हम बिल्कुल मजबूर हो गए हैं।

ट्रांसपोर्टरों ने रणनीति बनाते हुए कहा सरकार से माँग करते हैं कि हमारी ट्रक इंडस्ट्रीज को लॉकडाउन में एक राहत पैकेज मिलना चाहिए जिसमें अगले एक साल तक गाड़ियों की कीमत में 50 परसेंट छूट दी जाए स्पेयर पार्ट में 50 परसेंट की छूट दी जाए और जितने भी सरकारी फीस है।

कोरोना के कारण 4 महीने से अटकी है नर्सरी दाखिला प्रक्रिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के कारण सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ी है। पूरे वर्ष चलने वाली प्रवेश स्तर की परीक्षाओं पर बुरा असर पड़ा है। जिसके कारण दाखिला प्रक्रिया भी इससे अछूती नहीं रही है। कोरोना के कारण हुई स्कूल बंदी से 4 महीने से निजी स्कूलों में नर्सरी, केजी व पहली कक्षा में दाखिले की बाट जो रहे हजारों अभिभावक परेशान हैं।

हालांकि हर वर्ष आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग व वंचित वर्ग के अकादमिक सत्र देरी से शुरू होते हैं, लेकिन इस वर्ष दिसंबर तक सभी सीटें भर पाना मुश्किल है। साल के अंत तक निजी स्कूलों में 25 फीसदी आरक्षित कोटे के अंतर्गत आने वाली 50 हजार सीटों को भरा जाना है।

इसकी प्रक्रिया में 29 फरवरी को निकाले गए पहले कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ में केवल 43000 सीटों को शामिल किया गया था।

डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन पब्लिक स्कूल ब्रांच, योगेश प्रताप के पहला ड्रॉ अनुसार 43000 सीटों पर निकला था। अभी तक निदेशालय को मिले आंकड़ों में केवल 15000 सीटों को ही भरा जा सका है। कोरोना की वजह से हो सकता है कि कुछ स्कूलों का डाटा ना मिल पाया हो।

हम स्कूलों से जानकारी ले रहे हैं कि 43000 अभिभावकों में कितने अभिभावक स्कूल तक नहीं पहुंच सके हैं।

बता दें कि मार्च से कोरोना संक्रमण के कारण पूरे देश में स्कूल और उच्च शैक्षिक संस्थान बंद हैं। निकट भविष्य में इनको कब तक खोला जा सकेगा इसके बारे में भी कोई निश्चित जानकारी नहीं है।

हिंदी, अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा बनाना चाहती है सरकार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 10 अगस्त । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों को देश की आधिकारिक भाषा बनाना चाहती है तो उसे अपने कर्मचारियों को इन दोनों भाषाओं की जानकारी रखने वाला बनाने पर जोर देना चाहिए।

पूर्व गृह मंत्री ने चेन्नई हवाई अड्डे पर द्रमुक सांसद कनिमोई के हिंदी में बातचीत नहीं करने पर एक सीआईएसएफ अधिकारी द्वारा कथित तौर विवादित टिप्पणी किए जाने से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में यह बात कही है।

चिदंबरम ने कहा कि कनिमोई को चेन्नई हवाई अड्डे पर जिस कड़वे अनुभव का सामना करना पड़ा है वो कोई असामान्य बात नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया, ''केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती होने वाले गैर हिंदीभाषी कर्मचारियों को जल्द ही कामकाज और बोलचाल के लायक की हिंदी सीखनी पड़ती है।

हिंदी भाषी कर्मचारी कामकाज और बोलचाल के लायक अंग्रेजी क्यों नहीं सीख सकते?'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''अगर केंद्र सरकार हिंदी और अंग्रेजी दोनों को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने को प्रतिबद्ध है तो फिर उसे इस बात पर जोर देना चाहिए कि केंद्र सरकार के सभी कर्मचारी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं के जानकार हों।'' गौरतलब है कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सांसद कनिमोई ने रविवार को ट्वीट किया '' आज हवाई अड्डे पर जब मैंने सीआईएसएफ की एक अधिकारी से कहा कि वह तमिल या अंग्रेजी में बोलें क्योंकि मैं हिंदी नहीं जानती, तब उन्होंने मुझसे सवाल किया कि क्या 'मैं भारतीय हूं'। '' सांसद ने हैशटैग 'हिंदी थोपना' का इस्तेमाल करते हुए ट्विटर पर लिखा, ''मैं जानना चाहूंगी कि कब से भारतीय होना हिंदी जानने के समान हो गया है'' इस घटना पर सीआईएसएफ ने कहा कि उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

यूजीसी परीक्षा आदेश मामले में सुनवाई शुक्रवार तक स्थगित

नई दिल्ली, 10 अगस्त (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सरकार से जानना चाहा कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशानिर्देशों को प्रभावित कर सकते हैं? इसके साथ ही न्यायालय ने मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने कोविड19 महामारी के मद्देनजर विश्वविद्यालयों के अंतिम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने संबंधी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सवाल उठाये कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन कानून के तहत यूजीसी की अधिसूचना और दिशानिर्देश रद्द किये जा सकते हैं? इस पर यूजीसी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब के लिए कुछ समय मांगा और खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। सुनवाई के दौरान मेहता ने दलील दी कि दिल्ली और महाराष्ट्र सरकार ने अपने यहां विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में परीक्षाएं निरस्त करने के आदेश जारी कर दिये हैं।

उन्होंने कहा, 'आखिर जब यूजीसी डिग्री देने के लिए अधिकृत है तो राज्य सरकार कैसे परीक्षा रद्द करने का निर्णय ले सकते हैं।' यूजीसी की ओर से 14 अगस्त को यह बताया जायेगा कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन कानून के तहत यूजीसी की परीक्षा संबंधी अधिसूचना रद्द कर सकती है? गौरतलब है कि कोरोना महामारी के मद्देनजर विभिन्न पाठ्यक्रमों में अंतिम वर्ष की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर कई याचिकाएं दायर की गयी हैं।

नई पुस्तक में खुर्शीद और मालवीय ने सीएए पर विपरीत पहलुओं को सामने रखा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (वेबवार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद और भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने एक नई पुस्तक में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए)

से जुड़े इतिहास एवं राजनीति पर प्रकाश डाला है और इस विवादित मुद्दे के दो विपरीत पहलुओं को सामने रखा है। सीएए को पिछले साल 11 दिसंबर को संसद में पारित किया गया था और उस समय सत्तापक्ष एवं विपक्ष की तरफ से इस पर विस्तृत चर्चा हुई थी। 'द सिटिजनशिप डिबेट' नामक इस पुस्तक में मालवीय की दलील है कि सीएए को गलत ढंग से लिया गया, जबकि खुर्शीद का कहना है कि यह मामला गलत दिशा से जुड़ा है। मालवीय ने आरोप लगाया, ''सीएए को लेकर हुई पूरी बहस और हिंसक प्रदर्शन एवं दंगे भाजपा सरकार को असहज करने और देश में डर एवं बेचैनी का माहौल पैदा करने के लिए एक राजनीतिक योजना के तहत हुए थे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि यह न सिर्फ विपक्ष की पुरानी तरकीब या पाखंड है, बल्कि यह एक राजनीतिक खेल है जो लोकतांत्रिक भारत की हर बुनियाद के लिए खतरा पैदा करता है। मालवीय के मुताबिक, सीएए संविधान की मूल भावना के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह उस मूल भावना को निखार रहा है जो भारतीय तानेबाने को मजबूती प्रदान करेगा। दूसरी तरफ, खुर्शीद का मानना है कि 'सीएए एक शरणार्थी कानून को नागरिकता कानून में समाहित करने का अस्पष्ट प्रयास है तथा इस अधिनियम के दायरे में कुछ धार्मिक समूहों अथवा देशों को लाने का कोई ठोस आधार नहीं दिया गया है। मालवीय ने कहा कि यह कहना गलत है कि सीएए 'हिंदू राष्ट' की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। उन्होंने कहा, ''यह उस नीति की दिशा में कदम है जो तुष्टीकरण की राजनीति को खारिज करती है।'' खुर्शीद का कहना है, ''सवाल धर्म के आधार पर नागरिकता को लेकर है।''

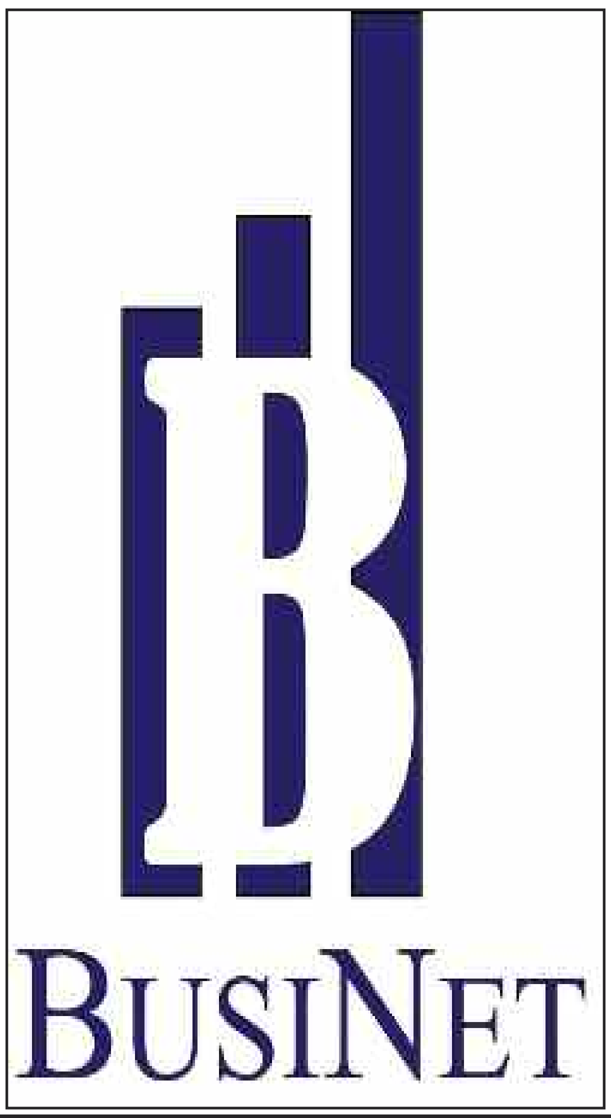

संपादकीय

राममंदिर की तारीख पूछ-पूछ कर तंज कसने वाले 5 तारीख से बौखलाए हुए हैं

भारत की संसदीय राजनीति में हिंदुत्व का अधिष्ठान छद्म सेक्युलरिज्म के भाड़ेदारों के लिए भयादोहित करने लगा है। क्या मानसिक रूप से यह तबका इतना कृपण हो चला कि उसके सन्तुलन पर भी सवाल उठने लगे? 5 अगस्त की तारीख असल में चुनावी राजनीति के व्याकरण को बदल रही है। 365 दिन के अंतराल में इस तारीख ने 360 डिग्री से संसदीय सियासत को भी बदला है। कश्मीर से 370 का खात्मा फिर राममंदिर का कार्यारंभ।

इस तारीख के साइड इफेक्ट्स भी सामने आ रहे हैं। पत्रकार पुण्य प्रसुन वाजपेयी ने एक ट्वीट किया है जिसमें मोदी सरकार की लोकप्रियता को कटघरे में खड़ा करने के लिए टाइम्स ऑफ इंडिया की उस रिपोर्ट को आधार बनाया गया है जिसमें राम मन्दिर कार्यारंभ समारोह को 16 करोड़ टेलीविजन पर देखने का जिक्र है। यह आंकड़ा दूरदर्शन के अधिकृत मैकेनिज्म से जारी किया गया है। पुण्य प्रसुन ने इस डेटा को 2019 में बीजेपी को मिले 23 करोड़ वोटरों के साथ चिपका कर यह साबित करने का प्रयास किया कि मोदी कितने अलोकप्रिय हो रहे हैं। हालांकि पुण्य प्रसुन यह ट्वीट कर बुरी तरह फंस गए। 5 हजार से ज्यादा लोगों ने जवाब देकर उनकी समझ पर सवाल उठाया क्योंकि यह 16 करोड़ टीवी सेट का आंकड़ा केवल दूरदर्शन ने जारी किया था और आजकल लोग यूट्यूब, फेसबुक पर भी कार्यक्रम देखते हैं। दूरदर्शन से इस समारोह के लिये 200 निजी चैनल्स ने फीड लिया था। एक टीवी को घर में औसत 3 लोग ही देखें तो यह आंकड़ा क्या होगा साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दर्शक जोड़ दिए जाएं तो तस्वीर आसानी से समझी जा सकती है। पुण्य प्रसुन की मोदी और बीजेपी से जाती दुश्मनी को लोगों ने जमकर एक्सपोज किया है।

इसी श्रेणी के दूसरे पत्रकार है राजदीप सरदेसाई। 5 अगस्त इन्हें भी भूत की तरह परेशान कर रहा है। वे ट्वीट करते हैं कि देश में दो ही पति है सीतापति औऱ नीतापति। यानी वे मुकेश अंबानी की पत्नी नीता और माँ सीता की तुलना कर रहे थे। मन में निशाने पर मोदी और राममंदिर ही थे। यह अलग बात है कि सरदेसाई के चैनल आज तक पर जो मूड ऑफ नेशन सर्वे जारी हुआ उसने मोदी और योगी की बादशाहत को लोकप्रियता और शासन के मामले में शिखर पर रखा है। सरदेसाई की पत्नी सागारिका घोष की परेशानी भी समझी जा सकती है वह 5 अगस्त को 370 और मन्दिर निर्माण को एक आत्मचिंतन का आह्वान कर रही हैं। राणा अयूब, आरफा खानम, रामचन्द्र गुहा, प्रशांत भूषण, मुनव्वर राणा, विनोद दुआ, रवीश कुमार, सन्दीप चौधरी सहित तमाम भाड़े के सेक्यूलर बुद्धिजीवी इस रुदाली रुदन में लगे हैं मानो भरी जवानी में वैधव्य का दंश इन्हें आन पड़ा हो। ओवैसी के बयानों को छोड़ दिया जाए तो हमारे तथाकथित इंटलेक्चुअल औऱ एकेडेमिक्स एकएक करके बेनकाब हो रहे हैं। इन्टॉलरेंस, मॉब लिंचिंग, हिन्दू राष्ट्र, लिब्रलजिम, फ़ण्डामेंटलिज्म और ऐसे ही तमाम भारी भरकम शब्दों को सुगठित तरीके से मीडिया में विमर्श का केंद्र बनाकर 2014 से ही एक ऐसा नकली माहौल मुल्क में बनाया जाता रहा है जो वैश्विक रूप से भारत की छवि को खराब करे। राजदीप, वाजपेयी, आरफा, करण थापर, सागारिका, राजदान, बरखा, प्रशांत, अनुराधा प्रसाद जैसे तमाम पत्रकारों से लेकर मोदी सरकार के दौर में लुटियन्स से खदेड़े गए ब्यूरोक्रेट्स, एकेडेमिक्स, एक्टिविस्ट की एक पूरी फ़ौज एक तरफ तो मोदी सरकार पर मनमानी करने, संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगाते रहते हैं। भारत के माहौल को इतना खराब बताते हैं कि यहां आमिर खान,नसीरुद्दीन शाह, हामिद अंसारी जैसे लोग सुनियोजित ढंग से यह कहते हैं कि भारत में रहने से उन्हें डर लगने लगा है। दूसरी तरफ ये तबका दो बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनकर आये एक पीएम को स्वीकार करने के लिए राजी नहीं है।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

इस बार दरगाह में नहीं मनेगा जन्माष्टमी उत्सव

वैश्विक महामारी कोरोना के चलते देश के प्राय सभी धार्मिक स्थल बंद है। ऐसे में राजस्थान के झुंझुनू जिले में नरहड़ स्थित हाजीब शक्करबार शाह बाबा की दरगाह में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होने वाला उत्सव इस बार नहीं हो पाएगा। जिला कलेक्टर उमरदीन खान ने बताया की कोरोना संक्रमण रोकने के लिए जिले में सभी धार्मिक स्थलों को जिला प्रशासन ने बंद करवा रखा है।

देश में शायद यही एकमात्र ऐसी दरगाह होगी जहां श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर तीन दिवसीय मेला भरता है व धूमधाम से जन्माष्टमी उत्सव मनाया जाता है। दरगाह परिसर में एक गोगा पीर का स्थान बना हुआ है। राजस्थान में झुंझुनू जिले के नरहड़ कस्बे में स्थित पवित्र हाजीब शक्करबार शाह की दरगाह कौमी एकता की जीवन्त मिशाल हैं।

इस दरगाह की सबसे बड़ी विशेषता हैं कि यहां सभी धर्मो के लोगों को अपनीअपनी धार्मिक पद्धति से पूजा अर्चना करने का अधिकार है। कौमी एकता के प्रतीक के रुप मे ही यहां प्राचीन काल से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विशाल मेला भरता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर यहां भरने वाले तीन दिवसीय मेले में राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, दिल्ली, आंध्रप्रदेश व महाराष्ट्र के लाखों जायरीन शरीक होते हैं। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भरने वाले इस मेले में हिंदु धर्मावलंबी भी बड़ी तादाद में शिरकत कर अकीदत के फूल भेंट करते हैं। जायरीन यहां हजरत हाजिब की मजार पर चादर, कपड़े, नारियल, मिठाइयां और नकद रुपया भी भेंट करते हैं।

जन्माष्टमी पर नरहड़ में भरने वाला ऐतिहासिक मेला और अष्टमी की रात होने वाला रतजगा सूफी संत हजरत शकरबार शाह की इस दरगाह को देशभर में कौमी एकता की अनूठी मिसाल का अद्भुत आस्था केंद्र बनाता है। जहां हर धर्ममजहब के लोग हर प्रकार के भेदभाव को भुलाकर बाबा की बारगाह में सजदा करते हैं। दरगाह के खादिम एवं इंतजामिया कमेटी करीब सात सौ वर्षों से अधिक समय से चली आ रही सांप्रदायिक सद्भाव को प्रदर्शित करने वाली इस अनूठी परम्परा को सालाना उर्स की माफिक ही आज भी पूरी शिद्दत से पीढ़ी दर पीढ़ी निभाते चले आ रहे हैं।

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की छठ से शुरू होने वाले इस तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन में दूर दराज से नरहड़ आने वाले हिंदू दरगाह में नवविवाहितों के गठजोड़े की जात एवं बच्चों के जड़ूले उतारते हैं। दरगाह के वयोवृद्ध खादिम हाजी अजीज खान पठान बताते हैं कि यह कहना तो मुश्किल है कि नरहड़ में जन्माष्टमी मेले की परम्परा कब और कैसे शुरू हुई? लेकिन इतना जरूर है कि देश विभाजन एवं उसके बाद और कहीं संप्रदाय, धर्ममजहब के नाम पर भले ही हालात बनेबिगड़े हों पर नरहड़ ने

सदैव हिंदूमुस्लिम भाईचारे की मिसाल ही पेश की है। वे बताते हैं कि जन्माष्टमी पर जिस तरह मंदिरों में रात्रि जागरण होते हैं ठीक उसी प्रकार अष्टमी को पूरी रात दरगाह परिसर में चिड़ावा के प्रख्यात दूलजी राणा परिवार के कलाकार ख्याल (श्रीकृष्ण चरित्र नृत्य नाटिकाओं) की प्रस्तुति देकर रतजगा कर पुरानी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए है। नरहड़ का यह वार्षिक मेला अष्टमी एवं नवमी को पूरे परवान पर रहता है।

शक्करबार शाह अजमेर के सूफी संत ख्वाजा मोइनुदीन चिश्ती के समकालीन सिद्ध पुरुष थे। राजस्थान व हरियाणा मे तो शक्करबार बाबा को लोक देवता के रुप मे पूजा जाता है। शादी, विवाह, जन्म, मरण कोई भी कार्य हो बाबा को अवश्य याद किया जाता हैं। इस क्षेत्र के लागो की गाय, भैंसों के बछड़ा जनने पर उसके दूध से जमे दही का प्रसाद पहले दरगाह पर चढ़ाया जाता हैं। उसके बाद ही पशु का दूध घर में इस्तेमाल होता है। हाजिब शक्करबार साहब की दरगाह के परिसर में जाल का एक विशाल पेड़ हैं जिस पर जायरीन अपनी मन्नत के धागे बांधते हैं। मन्नत पूरी होने पर गांवो में रतजगा होता हैं। जिसमें महिलाएं बाबा के बखान के लोकगीत जकड़ी गाती हैं।

दरगाह में बने संदल की मिट्टी को खाके शिफा कहा जाता हैं। जिन्हे लोग श्रद्धा से अपने साथ ले जाते। लोगो की मान्यता है कि इस मिट्टी को शरीर पर मलने से पागलपन दूर हो जाता हैं। हजरत के अस्ताने के समीप एक चांदी का दीपक हर वक्त जलता रहता हैं। दरगाह के पीछे एक लम्बा चैड़ा तिबारा हैं। जहां लोग सात दिन की चौकी भरकर वहीं रहते है। नरहड़ दरगाह मे कोई सज्जादानसीन नही हैं। यहां के सभी खादिम अपना अपना फर्ज पूरा करते हैं। दरगाह मे बाबा के नाम पर देश विदेश से प्रतिदिन बड़ी संख्या मे खत आते हैं। जिनमे लोग अपनीअपनी समस्याओं का जिक्र कर बाबा से मदद की अरदास करते हैं। दरगाह कमेटी के पूर्व सदर मास्टर सिराजुल हसन फारुकी बताते थे कि जिस प्रकार ख्वाजा मोइनुदीन चिश्ती को 'सूफियों का बादशाह ' कहा गया है। उसी प्रकार शक्करबार शाह 'बागड़ के धणी ' के नाम से प्रसिद्ध हैं।

नरहड़ गांव कभी राजपूत राजाओं की राजधानी हुआ करता था। उस समय यहां 52 बाजार थे। पठानों के जमाने यहां के लोदी खां गर्वनर थे। राजपूतों के साथ चले युद्ध में उनकी लगातार पराजय हुई। किंवदंति है कि एक बार हार से थक कर चूर हुए लोदी खां और उनकी सेना मजार के निकट विश्राम कर रही थी। तभी पीर बाबा की दिव्य वाणी हुई कि मेरी मजार तक घोड़े दौड़ाने वाले तुम कैसे विजयी हो सकते हो ? यदि मजार से हटकर लड़ोगे तो तुम्हारी जीत होगी। इसके बाद लोदी खां ने फिर से आक्रमण किया जिसमें उनकी जीत हुई। उसी समय से यहां हजरत शकरबार पीर बाबा का आस्ताना कायम है। उसी समय यहां मजार व दरगाह का निर्माण करवाया गया। जायरीन में प्रवेश करने वाले प्रत्येक जायरीन को यहां तीन दरवाजों से गुजरना पड़ता है। पहला दरवाजा बुलंद दरवाजा है। दूसरा बसंती दरवाजा और तीसरा बगली दरवाजा है। इसके बाद मजार शरीफ और मस्जिद है।

बुलंद दरवाजा 75 फिट ऊंचा और 48 फिट चैड़ा है। मजार का गुंबद चिकनी मिट्टी से बना हुआ है, जिसमें पत्थर नहीं लगाया गया है। कहते है कि इस गुंबद से शक्कर बरसती थी, इसलिए बाबा को शकरबार नाम मिला। नरहड़ के इस जोहड़ में दूसरी तरफ पीर बाबा के साथी दफन है। जिन्हें घरसों वालों का मजार के नाम से जाना जाता है।

इतना महत्वपूर्ण स्थल होने के उपरान्त भी राजस्थान वक्फ बोर्ड की उदासीनता के चलते यहां का समुचित विकास नही हो पाया है इस कारण यहां आने वाले जायरीनो को परेशानी उठानी पड़ती हैं। झुंझुनू जिला प्रशासन, राजस्थान वक्फ बोर्ड को इस प्रसिद्ध दरगाह परिसर का योजनाबद्ध ढ़ंग से समुचित विकास करवाना चाहिये। ताकि यहां आने वाले श्रधालुओं को असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़े।

**रमेश सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।**

www.womenexpress.in

आत्मनिर्भर अभियान में जय जवान जय किसान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रारंभ में ही जय जवान जय किसान को चरितार्थ करने का संकल्प लिया है। इसमें किसानों की आय दोगुनी करना और भारत को रक्षा सामग्री का निर्यातक बनाने का मंसूबा शामिल था। पिछली सरकार के समय इन दोनों ही क्षेत्रों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं होती थी,उपज के भंडारण की उचित व्यवस्था नहीं थी,लाखों करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजनाएं लम्बित थी। इसी प्रकार सामरिक क्षेत्र भी अपेक्षित था। रक्षा कमांडरों ने कमियों की ओर ध्यान भी आकृष्ट किया था। उनके अनुसार चीन व पाकिस्तान की तैयारियों के दृष्टिगत भारत को भी कदम उठाने होंगे। लेकिन यूपीए सरकार लापरवाह बनी रही। नरेंद्र मोदी सरकार ने जवान और किसान दोनों ही मोर्चो को संभाला। पिछले कार्यकाल की शुरुआत में ही नीम कोटिंग खाद की व्यवस्था की गई। इसका उत्पादन बढ़ाया गया। इससे किसानों को आसानी से खाद उपलब्ध होने लगी। मृदा परीक्षण व ड्रिप सिंचाई अभियान चलाया गया। इससे कृषि लागत में कमी आई। अनेक लम्बित सिंचाई योजनाओं पर कार्य शुरु किया गया। कई योजनाएं पूरी हुई। किसानों को अबतक का सर्वाधिक समर्थन मूल्य प्रदान किया गया। किसान सम्मान निधि के माध्यम से उनको आर्थिक सहायता देने की योजना लागू की गई। फसल बीमा को व्यवहारिक बनाया गया। अनेक प्रमुख व अपरिहार्य रक्षा डील पूरी की गई। राफेल विमान भारत आ गए है। रूस से भी हथियार मिल रहे है। इसके साथ ही भारत की रक्षा सामग्री का हब बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। लखनऊ में अब तक कि सबसे बड़ी डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया गया था। इसमें हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे। डिफेंस कॉरिडोर को कार्य प्रगति पर है। इसके इर्द गिर्द रक्षा उत्पाद उद्योग की स्थापना की जाएगी। यह सब भारत को।आत्मनिर्भर बनाने का अभियान है। प्रधानमंत्री ने खेती के लिए एक लाख करोड़ का फंड जारी किया। इससे गांवों में रोजगार के अवसर तैयार होंगे। आठ करोड़ से अधिक किसानों को सत्रह हजार करोड़ किसानों के खाते में जमा हो गए। मोदी ने कहा कि इसमें बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं है। अब तक पचहत्तर हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में जमा हो चुके हैं। विकास की दौड़ में गांव पीछे रह गए थे। गांव में उद्योग नहीं लगाए जाते थे, किसानों को अपनी उपज बेचने की उचित व्यवस्था नहीं थी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत किसान और उनसे जुड़े सारे सवालों के जवाब ढूंढे जा रहे हैं। सरकार एक देश,एक मंडी की योजना पर काम कर रही हैं। कानून बनाकर किसान को मंडी टैक्स के दायरे से मुक्त कर दिया गया है। किसान खेत में ही उपज का सौदा कर

सकता है, या वेयरहाउस से जुड़े व्यापारियों को दे सकता है,जो भी उसे ज्यादा कीमत दे। किसान अब उद्योगों से भी सीधी साझेदारी कर सकता है। ऐसी सभी योजनाओं का निर्माण छोटे किसानों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। देश की पहली किसान रेल महाराष्ट्र बिहार के बीच शुरू हो चुकी है। महाराष्ट्र से संतरा,फल, प्याज लेकर ट्रेन बिहार आएगी। वहां से लीची, मखाने,सब्जियां लेकर लौटेगी। इससे महाराष्ट्र,बिहार,उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। यह ट्रेन वातानुकूलित है। इसमें फसल खराब नहीं होगी। यह पटरी पर दौड़ता हुआ कोल्ड स्टोरेज है। इस ट्रेन से मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश के किसानों को भी फायदा होगा। एक लाख करोड़ रुपए के एग्री इंफ्रा फंड का इस्तेमाल गांवों में कृषि क्षेत्र से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में किया जाएगा। इस फंड से कोल्ड स्टोर, वेयरहाउस,साइलो, ग्रेडिंग और पैकेजिंग यूनिट्स लगाने के लिए लोन दिया जाएगा। एग्री इंफ्रा फंड कोविड से निपटने के लिए घोषित किए गए बीस लाख करोड़ रुपए के पैकेज का हिस्सा है। इस फंड के तहत दस वर्ष तक वित्तीय सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस फंड को जारी करने का उद्देश्य गांवों में निजी निवेश और नौकरियों को बढ़ावा देना है। यह लोन प्राइमरी एग्री क्रेडिट सोसायटी, किसानों के समूह,किसान उत्पाद संगठनों,एग्री एंटरप्रिन्योर स्टार्टअप्स और एग्रीटेक प्लेयर्स को दिया जाएगा। इतना ही नहीं वार्षिक ब्याज में तीन प्रतिशत छूट दी जाएगी। प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत किसानों को एक साल में छह हजार रुपए की राशि तीन किस्तों में दी जाती है। इस प्रकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। गांवों में विकास से संबंधित ढांचागत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर भारत अभियान संचालित किया जाएगा। भारत ना केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हथियार बनाएगा, बल्कि अगले चरण में उनका निर्यात भी किया जाएगा। इस क्रम में रक्षा मंत्रालय ने सैकड़ों वस्तुओं की सूची बनाई है,जिनके आयात पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इस सूची में कुछ उच्च तकनीक वाले हथियार सिस्टम भी शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए यह योजना बनाई गई है। लिस्ट को सेना,पब्लिक और प्राइवेट इंडस्ट्री से चर्चा के बाद तैयार की गई है। इसमें उच्च तकनीक वाले हथियार आर्टिलरी गन,असॉल्ट राइफलें, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट,उच्च क्षमता वाले रडार भी शामिल है। यह निर्णय भारतीय रक्षा उद्योग को खुद के डिजाइन और विकास क्षमताओं का उपयोग करके या फिर डीआरडीओ द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाकर सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हथियारों के निर्माण का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

www.womenexpress.in

हरे कृष्ण हरे मुरारी

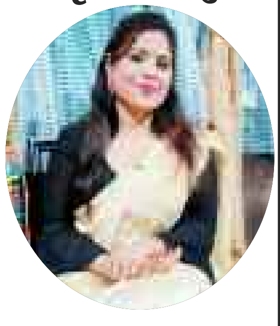

हरे कृष्ण हरे मुरारी,
पूजती जिन्हें दुनिया सारी,
माखन चोर नन्द किशोर,
बांधी जिसने प्रीत की डोर।

मुरली की धुन सुनाकर खुब
सुनाता मीठे गीत!
माखन इसे बहुत भाता है
सबसे अच्छी इसकी प्रीत।।

कन्हा की लीला है
सबसे प्यारी,
आ गये देने दुनिया भर की
खुशियां सारी।।

आओ सब मनाये पावन
ये दिन,
कृष्णा जिनका नाम,गोकुल
जिनका धाम
ऐसे ही भगवान को हम सब
का प्रणाम।।

**प्रिया गुप्ता
दार्जीलिंग
(पश्चिम बंगाल)।**

www.womenexpress.in

हमारे बुजुर्ग हमारी धरोहर

बड़े बुजुर्ग हैं हमारी धरोहर,
उनसे है हमारा स्वाभिमान
इनसे ही रहती परिवार में शान,
करें सदा इनका सम्मान।
बुजुर्ग मजबूत नीव होते हैं
परिवार की,
इनसे ही तो रौनक है घर के हर
दीवार की।
वो नहीं मांगते कोई भी कीमती
उपहार,
जन्नत मिल जाती है इन्हें अगर
मिल जाए थोड़ा सा प्यार।
माना कभीकभी वे हमारी सुनते
नहीं अपनी सुनाना चाहते हैं,
पर उनकी बात सुनने में क्या
बुराई है वो हमारा भला ही
तो चाहते हैं।
बुजुर्ग हर घर की परंपरा का है
आधार,
इनसे ही तो घर के छोटे सीखते
हैं अच्छे संस्कार।
कभी उनसे दो पल बातें करके
तो देखो,
उन्हें खुशियों का संसार मिल
जाएगा।
अकेलापन जो उन्हें खलता है,
वह कुछ पल में ही मिट जाएगा।
व्यस्त होने पर भी निकालें कुछ
वक्त उनसे बातें करने का,
ताकि उन्हें भी मिल जाए एक
मकसद जिंदगी जीने का ।
उनकी सेहत का रखें सदा
ख्याल, कभीकभी जाकर पूछे उनका
हालचाल।
परिवार का वो हिस्सा नहीं है
होने ना दे उनको यह एहसास
हर सुख दुख में उन को
शामिल करें मिले सदा परिवार का
साथ ।
हमारे बुजुर्ग ज्ञान और अनुभव
का हैं खजाना,
उनसे ही तो सीखते हैं हम नए
रिश्तो को अपनाना।
हों कभी वे क्रोधित तो करें ना
उनसे गलत व्यवहार,
क्योंकि उनके क्रोध में भी छिपा
है हमारे लिए प्यार ।
हो सकता है उनका स्वभाव
बुरा पर दिल बुरा नहीं होता,
संभालना उन्हें उनका आदर
करना उनके बिना परिवार
पूरा नहीं होता ।
बुजुर्गों को देंगे अगर हम उचित
सम्मान और स्थान,
वृद्धा आश्रम का जग से मिट
जाएगा नामोनिशान ।

**मिली साहा
कोलकाता ।**

www.womenexpress.in

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करेगा प्रधानमंत्री का वित्तपोषण

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कृषि अवसंरचना कोष के तहत 1 लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा का शुभारंभ किया। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आत्मानिर्भर भारत ' के हिस्से के रूप में यह फंड लॉन्च किया गया है। यह कोष कोष 'कटाई बाद फसल प्रबंधन अवसंरचना' और 'सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों' जैसे कि शीत भंडार गृह, संग्रह केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों आदि बनाने में मददगार होगा। यह एक नयी पैन इंडिया सेंट्रल सेक्टर स्कीम है। इस योजना के बाद फसल प्रबंधन के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए एक मध्यम दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। योजना की अवधि (10 वर्ष) तक होगी।

कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की अवधि 10 सालों के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में कृषि क्षेत्र से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में मदद मिलेगी। इस वित्तपोषण के जरिये ग्रामीण क्षेत्र में निजी निवेश और नौकरियों को बढ़ावा देना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, किसान समूहों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषिउद्यमियों, स्टार्टअप्स और एग्रीटेक खिलाड़ियों को ऋण के रूप में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे। योजना के तहत, रु एक लाख करोड़ बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों (पीएसीएस), विपणन सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों

(एफपीओ), एसएचजी, किसानों, संयुक्त देयता समूहों (जेएलजी, बहुउद्देशीय सहकारी समितियों, स्टार्टअप्स) को ऋण के रूप में प्रदान किया जाएगा।

मोदी जी की ये योजना ब्याज अनुदान और वित्तीय सहायता के माध्यम से फसल के बाद बुनियादी ढांचा प्रबंधन और सामुदायिक कृषि परियोजनाओं में निवेश के लिए मध्यमलंबी अवधि के ऋण वित्तपोषण की सुविधा भी किसानों को प्रदान करेगी। जो देश के किसानों को अपनी उपज के अधिक मूल्य प्राप्त करने में सहायता होगी। इस वित्तपोषण की बदौलत बदौलत किसान अपनी उपज का भंडारण करने एवं ऊंचे मूल्यों पर बिक्री करने, बर्बादी कम करने, और प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में वृद्धि करने में समर्थ हो सकेंगे और ज्यादा मुनाफा ले सकेंगे।

इस वित्तपोषण सुविधा के तहत सभी ऋणों पर 3% प्रति वर्ष का ब्याज सबवेंशन होगा। यह उपखंड अधिकतम सात वर्षों के लिए उपलब्ध होगा। इस गारंटी सुविधा के लिए पात्र गारंटी के लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट योजना के तहत उपलब्ध होगा।

इस कवरेज के लिए शुल्क का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा। एफपीओ के मामले में क्रेडिट गारंटी का लाभ कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग के एफपीओ प्रोत्साहन योजना के तहत बनाई गई सुविधा से लिया जा सकता है। इसका प्रबंधन और निगरानी एक ऑनलाइन प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) मंच के माध्यम से की जाएगी। वास्तविक समय की निगरानी और प्रभावी फीडबैक सुनिश्चित करने के लिए राष्टीय, राज्य और जिला स्तर की निगरानी समितियों की स्थापना की जाएगी. लागू किया गया कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ऑनलाइन प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रबंधित और मॉनिटर किया जाएगा। जिस से यह ऋण के लिए आवेदन करने के लिए सभी योग्य संस्थाओं को सक्षम करेगा। नए वित्तपोषण से कृषि और कृषि प्रसंस्करण आधारित गतिविधियों के लिए औपचारिक ऋण की सुविधा से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के कई अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिससे आने वाले समय में ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर बन सके. देखा जाये तो वर्तमान सरकार खासतौर पर किसान हितैषी योजनाओं को ला रही है, दिसंबर 2018 को आरंभ की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 9.9 करोड़ से भी अधिक किसानों को 75,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रत्यक्ष नकद लाभ सीधे प्रदान किया गया है। इस योजना ने किसानों को अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने और अपनेअपने परिवारों को आवश्यय सहारा देने में सक्षम और काबिल बनाया है।

**प्रियंका सौरभ
हिसार, हरियाणा।**

www.womenexpress.in

रात अंधियारी कारी, जब जन्मे कृष्ण मुरारी

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि की घनघोर अंधेरी आधी रात को रोहिणी नक्षत्र में मथुरा के कारागार में वसुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। यह तिथि उसी शुभ घड़ी की याद दिलाती है और सारे देश में बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। देवताओं में भगवान श्री कृष्ण विष्णु के अकेले ऐसे अवतार हैं जिनके जीवन के हर पड़ाव के अलग रंग दिखाई देते हैं। उनका बचपन लीलाओं से भरा पड़ा है। उनकी जवानी रासलीलाओं की कहानी कहती है, एक राजा और मित्र के रूप में वे भगवद् भक्त और गरीबों के दुखहर्ता बनते हैं तो युद्ध में कुशल नितिज्ञ। महाभारत में गीता के उपदेश से कर्तव्यनिष्ठा का जो पाठ भगवान श्री कृष्ण ने पढ़ाया है आज भी उसका अध्ययन करने पर हर बार नये अर्थ निकल कर सामने आते हैं। भगवान श्री कृष्ण के जन्म लेने से लेकर उनकी मृत्यु तक अनेक रोमांचक कहानियाँ है। इन्ही श्री कृष्ण के जन्मदिन को हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले और भगवान श्री कृष्ण को अपना आराध्य मानने वाले जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं। इस दिन भगवान श्री कृष्ण की कृपा पाने के लिये भक्तजन उपवास रखते है और श्री कृष्ण की पूजा अर्चना करते हैं। जो प्रेम से दिए माखन मिश्री पे रीझ जाये। जिसकी सिर्फ एक मुस्कराहट सारे दुःख हर ले जाये। कहते है स्वभाव से कृष्णा बहुत नटखट है। लेकिन अपने भक्तो के अधीन है।

जिसका जैसा भाव उसके अनुरूप वो ढल जाते है।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन मंदिरों को खासतौर पर सजाया जाता है। जन्माष्टमी पर पूरे दिन व्रत का विधान है। जन्माष्टमी पर सभी 12 बजे तक व्रत रखते हैं। इस दिन मंदिरों में झांकियां सजाई जाती हैं और भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया जाता है और रासलीला का आयोजन होता है।

जन्माष्टमी के दिन देश में अनेक जगह दहीहांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। दहीहांडी प्रतियोगिता में सभी जगह के बाल गोविंदा भाग लेते हैं। छाछदही आदि से भरी एक मटकी रस्सी की सहायता से आसमान में लटका दी जाती है और बालगोविंदाओं द्वारा मटकी फोड़ने का प्रयास किया जाता है। दही हांडी प्रतियोगिता में विजेता टीम को उचित इनाम दिए जाते हैं। जो विजेता टीम मटकी फोड़ने में सफल हो जाती है वह इनाम का हकदार होती है।

इस प्रकार श्रीकृष्ण जन्म जन्माष्टमी बहुत ही धूम धाम और हर्षोल्लास से मनाने वाला त्योहार है। हमे भागवत गीता में दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेशों का पालन करना चाहिए और इन्हें अपनाना चाहिए। मान्यता भी है कि जबजब धरती पर पाप और अत्याचार जन्म लेगा तबतब कोई बड़ी शक्ति का भी जन्म जरूर होगा इसलिए हम मनुष्य को इस बात का ध्यान रखते हुए सत्कर्म और सच्चाई की राह में चलना चाहिए और किसी भी तरह के पापो से बचना चाहिए।

गोपाल कृष्ण पटेल
दीनदयाल कॉलोनी
जांजगीर, छतीसगढ़।
www.womenexpress.in

श्री कृष्ण जन्माष्टमी

अष्टमी तिथि है आई
घनघोर काली घटा छाई
मूसलाधार बरसती जाये
जब जन्मे कृष्ण कन्हाई
खुल गई बेड़ियां सारी
धरती में प्रसन्नता छाई
अब कंस की मृत्यु है आई
धन्य हुए वासुदेव देवकी
पुत्र रूप में आए चक्रधारी
यमुना हुई अति आनंदित
खुशी से ली अंगड़ाई
छत्र बने शेषनाग जी
कान्हा लेकर गोकुल पधारे
खुशी से झूम उठा ब्रज सारा
पालने में देख यशोदा माई
गाए सब बधाई हो बधाई
ब्रज में जन्मे कृष्ण कन्हाई
बाजे ढोल नगाड़े मृदंग
बजी चारों ओर शहनाई
भक्ति में झूमे गोपी ग्वालिन
जब जब पापा बढ़ा है जग में
तब तब प्रभु ने लिया अवतार
धन्य हुए गोकुलधाम
गाए सब मंगल गान
जय कन्हैया लाल की
हाथी घोड़ा पालकी।

डॉ भवानी प्रधान
रायपुर, छत्तीसगढ़।
www.womenexpress.in

जय श्री राधा कृष्ण जी

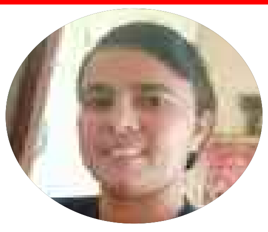

क्या बोले मुरली वाले को बस
राधे राधे कहते.
रख दे कदम हम
जब तेरी चौखट पर
ऐ साँवरे बार बार मन से बस यही
श्री राधे राधे बोलने को मजबूर
होता रहता है.

कोई बोले श्री राधे
कोई बोले श्री कृष्णा
हम बोले जय श्री राधे कृष्णा
अपने मन के मंदिर में राधे
राधे जपेंगे.

प्रेम की भक्ति को
ना हम कभी ऐसे छोड़ेंगे
निकले भले ही हमारा दम तब
भी राधे
जय श्री राधे कृष्णा, कृष्णा
कृष्णा, राधे राधे बोलेंगें.

गज़ब की बांसुरी
बजती है जब वृंदावन की
मन बस वही श्री राधे कृष्णा
बोलता है

भावना गौड़
ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

हे कृष्ण

तेरी मुरली की मैं भी दीवानी हूँ
न राधा न मीरा न मैं तेरी रानी हूँ,
अनु तेरी ही आराधना में
रहती है लीन
सारी दुनिया से मैं बेगानी हूँ !

बस मैं तेरी उपासक हूँ प्रभु
एक बार दर्शन तो दो हे प्रभु,
दिन रैन तुझको ही ध्याऊँ
तेरी अर्चना ही मेरा कर्म है प्रभु !

हे कृष्ण, हे गोपाल,
हे केशव, हे यशोदा के लाल,
हे गोविंद, हे मुरारी,
हे वासुदेव, हे नंद के लाल !

हमें भी अपने प्रिये बनाओ
हमारे लिए भी कभी मुरली बजाओ,
मुरली से अपनी कोई धुन बजाकर
हमारी हृदय तृष्णा मिटाओ !

तेरी महिमा है अपरंपार
तुझसे ही उजागर है यह संसार,
जो भी प्राणी तुझको ध्याता
हो जाता है उसका उद्धार !!

अनुपमा अधिकारी
किशनगंज (बिहार)।
www.womenexpress.in

हे कृष्ण कहो कब आओगे!

जब मैं मानु तुझे अपना ही,
फिर क्यों मुझसे तुम मुंह फेरे हो।

हे कृष्ण कहो।कब आओगे?
संग मेरे भी रास रचाओगे।
सुदामा को तुम दिए सखा सुख,
कब मेरे भी भाग्य जगाओगे।

देवकीयशोदा के भाग खोले तुम,
ब्रजवासियो को मस्ती रंग घोले तुम।
कंस,पूतना और कालिया के
भी स्वर्ग द्वार हो खोले तुम।

हे कृष्ण कहो कब आओगे?
कब आकर मुझे सताओगे !
अपनी नटखट शैतानियों से,
कब मेरा मानस चुराओगे।
कब अपनी नादानी दिखाओगे,
और माखन मेरा चुराओगे।

कब हमारे भी भाग जगाओगे,
भवसागर पार लगाओगे।
कलयुगी इस तम को हरने,
कल्कि अवतार अपनाओगे।
हे।कृष्ण कहो कब आओगे?
हमे भी तार ले जाओगे।
भवसागर पार लगाओगे।।

क्यों पुकार मेरी नही सुनते हो,
न अश्क मोती तुम चुनते हो।
खुब खेले तुम गोपियो के संग,
क्यों न मुझे सखा तुम चुनते हो।

दुःख मेरे भी बहुतेरे है,
कुछ मेरे तो कुछ तेरे हो।

गौरव सिंह घाणेराव
सुमेरपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

हे कान्हा कब आओगे

नमन मंच
हे कृष्ण कब आओगे
हे मुरली मनोहर,
मन को हरण,
कब आओगे।
अखियां निहारे ,
दिन रात तुहारे,
मन के भीतर,भाव खिले,
हृदय की रिक्तियों को भरने,
कब आओगे कान्हा।
याद आ रही है वो बांसुरी
की धुन
जिसपर मेरे पायलों की
बजती धुन।
हे कान्हा अब आओगे?
वृन्दावन में गोपियां राह तके,
बाट जोहते मेरी
अखियां थके।
हे कान्हा अब आओगे।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

और आ जाओ कान्हा

दानव सम मानव नाश कर,
मानवता की लाज बचाओ कान्हा।

और जरूरी है यमुना का मंथन,
प्रदूषणकालिया को भगाओ कान्हा।
उद्दंडी चेलों को आज तुम,
गुरु का महत्व समझाओ कान्हा।

तुम्हारी जरूरत है आज,
तुम जग में और आ जाओ कान्हा।
घृणा से घिरे लोगों को,
प्रेम की बंशी सुनाओ कान्हा।

दुश्मन बने हैं लोग एकदूसरे के,
भ्रातृत्व का माखन खिलाओ कान्हा।

भ्रष्टाचारी कंस को मार कर,
सदाचार की ध्वजा फहराओ कान्हा।
भारत में महाभारत रोकने खातिर,
तुम जग में और आ जाओ कान्हा।

टीकेश्वर सिन्हा
छत्तीसगढ़।
www.womenexpress.in

नंद यशोदा को लाल को

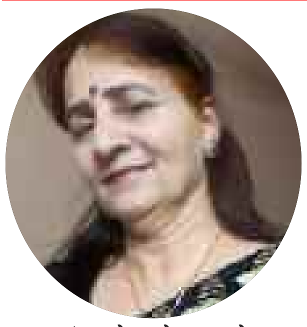

नंद यशोदा को लाल को ।
जन्मदिन भादो की अष्टमी को।
होबे वारो है ,सकल भारतवासी ।
जा दिन खूब नाचेंगे, झूमेंगे,गाएंगे ।
सबही वाकी मनोहर छवि ।
मुरली वारी देखने को तरसे हैं ।
नंद यशोदा को लाल को जन्मदिन ।
भादो की अष्टमी को होवे वारो है ।
सबहि मिलजुल कर खूब नाचेंगे ।
झूमेंगे और गाएंगे हर्षित हो ।
आनंद मंगल मनाएंगे।

नंद यशोदा को लाल को जन्म दिन
भादो की अष्टमी को होवे वारो है ।
वाकी निराली मनोहर छवि ।
निरखी झुलाझुलते हर्षित हो ।
सब जन ।।

नंद यशोदा को लाल को जन्मदिन
भादो की अष्टमी को होवे वारो है ।
मैं तो वाय माखन मिश्री और लड्डू
भोग लगाऊंगी, वाको झूलो फूलन
ते सजाऊंगी और झूला में ।
कान्हा को सुंदरसुंदर गोटे के वस्त्र
पहना के खूब सजाऊंगी ।।

नंद यशोदा को लाल को जन्मदिन
भादो की अष्टमी को होवे वारो है ।
कान्हा को टीको चंदन ते करूंगी ।
वाय रात बारह बजे भादो को ।

अष्टमी को फूलन ते सजे झूला में ।
डार झूलो झूलाऊंगी ।
मैं तो कान्हा को जन्मदिन ।
मनाऊँगी ।।

संगीता सूर्यप्रकाश मुरसेनिया
भोपाल, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

कान्हा जी का जन्मदिन

दिन आया है ऐसा पावन जब
कान्हा जी आए थे,
ब्रज की धरती पर मिलकर
खूब रास रचाए थे।
दुनिया की दुनियादारी छोड़
जन्मदिन मनाते है,
चलो आज अपने कान्हा की
मस्ती में खो जाते है।।

गोवर्धन पहुंचकर गिरिराज जी
का ध्यान किया,
दान घाटी पर मिलकर कान्हा
भव्य श्रृंगार किया।
जतीपुरा और राधाकुंड की
आज सैर करते है,
चलो आज अपने कान्हा की
मस्ती में खो जाते है।।

आगे चल पलसो के राधा
आश्रम में विश्राम किया,
बरसाने में राधारानी के
दर्शनकर उनका नाम लिया।
नंदगांव के टेर कदम्ब पर
कान्हा जी को बुलाते है,
चलो आज अपने कान्हा की
मस्ती में खो जाते है।।

वृंदावन में बांके बिहारी को
मिलकर प्रणाम किया,
प्रेम मंदिर और एस्कान में राधे
राधे का नाम लिया।
प्रियकांतजू और वैष्णोदेवी
मंदिर के दरश कराते है,
चलो आज अपने कान्हा की
मस्ती में खो जाते है।।

मथुरा पहुंचकर यमुना जी में
हमने स्नान किया,
द्वारकाधीश मंदिर में पूजनकर
संतों का मान किया।
कान्हा जी की जन्मभूमि पर
दिव्य शीश झुकाते हैं,
चलो आज अपने कान्हा की
मस्ती में खो जाते है।।

दिव्यांशु गुप्ता, दिव्य
उरई (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

इंसा कृष्ण हो जाए

'इंसा कृष्ण हो जाए.....'
जन्म का तेरे उत्सव यूँ रंगीन
हो जाए,
कि कृष्ण पथ पे चल इंसा
कृष्ण हो जाए

उठा इतिहास सीखें वो ज़रा सा
बालपन तुझसे,
सारे जहां का वो भी फिर
चितचोर हो जाए

जो देखे रास वो तेरा, जो
समझे मित्रता तेरी,
बन कान्हासा वो फिर किसी
की आस हो जाए

जो छोड़े स्वार्थ वो तुझ
सा,निभाए प्रेम राधेसा,
तो कलयुग में तेरे इस रूप की
मिसाल हो जाए

जो तूने दिया है गीता में वो
सार समझे तो,
जीवन सफल और ये धरा फिर
स्वर्ग हो जाए

भावना मिलन अरोड़ा
कालकाजी, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

श्री कृष्ण कन्हैया आपका सहारा

शुभ हो श्री कृष्ण जन्माष्टमी
सबके हियें हर्ष अपार ।
आज मना रहे श्री कृष्ण
जन्मोत्सव सकल संसार ।।

जन्मे है श्री कृष्णा प्यारे हमारे
जीवन के सहारे ।
जन्मे है कृष्ण कन्हैया प्यारे
हमारे नैनन के तारे ।।

गोकुल में बंटे बधाइयां यशोदा
मैया खुशी मनावें ।
कोई कहे लल्ला कोऊ कहे
कान्हा ले थाल बधावें ।।

हमरे जीवन के सहारे प्रभु
श्रीकृष्ण लाज रखना मेरी ।
मारे अधर्मी तुमने प्रभु जी
भक्तो के नैया को उबारी ।।

हमारे जीवन के सहारे दर्शन दे
दो कृष्ण कन्हाई ।
गोपीजन सब आई द्वारे करे
आपसे प्रभु जी दुहाई ।।

आओ सखी सब गावो बजावो
मंगल गीत सोहरे ।
आज दिन हर्ष का श्री कृष्ण
हमरे जीवन के सहारे ।।

जय श्री कृष्णा जय श्री कृष्णा
रटते नाम पुकारे ।
गोकुल के गवाले श्री कृष्ण
हमरे जीवन के सहारे।।

अरुणा तुम्हे प्रभु याद करत है
श्री कृष्ण भगवान ।
इस संसार में रह हर्ष प्रभु करूं
तुम्हारा गुणगान ।।

दिव्या रावत ! श्री कृष्ण आओ
सब छोड़ जहाँ रे
गर्व है आपकी कृपा श्री कृष्ण
आप मेरे सहारे ।।

आज जन्मे है कृष्णा प्यारे
हमारे जीवन के सहारे ।
अरूणा ! जन्मे है कृष्ण प्यारे
हमारे नैनन के तारे ।।

अरूणा यादव
मियांपुर, झांसी, उत्तरप्रदेश।
www.womenexpress.in

आज कान्हा जन्मे यशुमति नन्द द्वार

बधाई हो। बधाई हो । बधाई हो।
मुरली मनोहर बृज की धरोहर
वो गीर धर गोपाल
बसुदेव देवकीके घर जन्मे
तोड कारागार, पहुचे यमुना पार
कन्हैया प्रगट भये है नन्द द्वार2
बधाईया बधाईयां बधाईयां
बकासुर को मसल डाला
पुतना जान से मारी
कंस को केस खींचा सम्हारण
हार कृष्ण
प्रकट भए यसुमति नन्द द्वार
पाण्डवों से अर्जुनको जीत
दिलाई तुने
द्रोपती की लाज बचाने वाले
माखन चोर नन्द किशोर
प्रकट भये नन्द द्वार
बधाईया बधाईयां बधाईया
मोर मुकुट मकराकृत कुण्डल
गल मोतियो की माल
मटक मटक मटका वे नैना
नटखट नन्द किशोर
आज जन्म लियो यशुमति
नन्द द्वार
बांधी जीसने प्रित की डोर
हरे कृष्ण, हरे मुरारी
पुजाते है जिन्हे दुनिया सारी
आए उनका गुण गाए,
आओ सखी घर घर दिप
जलाए
प्रगट भए यशुमति नन्द द्वार
सब मील जन्मोत्सव मनाए
सब मील बोले।
हाथी घोडा पालकी,
जय कन्हैया लाल की
हाथी दिन्हा घोडा दिन्हा
और दिन्हा पालकी
जन्माष्टमी की
बधाईयां बधाईयां बधाईयां।

अरूणा बाजेसरीया
बैंगलौर।
www.womenexpress.in

द्वारकाधीश

ज्ञानी,ध्यानी,योद्धा
प्रेमी कहलाते है
ज्ञानरस में इनके अर्जुन
उद्धव भीग जाते है
मनमोहक बांसुरी
की तान सुनाते है
गीता के उपदेश से
कर्मयोगा सिखाते है
शस्त्र न उठाकर भी
जो अस्त्र शस्त्र चलवाते है
श्री कृष्ण द्वारकाधीश
योगेश्वर कहलाते है
पूर्ण पुरुष श्री कृष्ण
जीना सिखाते है
हाथ जोड़ बारम्बार
नमन करते जाते है

संसार व सन्यास के
अदभुत सेतु है
आकर्षक व्यक्तित्व
के कृष्ण धनी है
कातियुक्त पीताम्बर
लीला पुरुषोत्तम है
एक तरफ योगेंद्र
जो माखन चुराते है
पूजनीय होकर भी
झूठी पत्तल को उठाते है
परमवीर योद्धा होकर
रणछोड़ कहलाते है

गरिमा राकेश गौतम
कोटा, राजस्थान।
www.womenexpress.in

कृष्ण जन्मदिन की धूम

देवकी और यशोदा हैं जिनकी मैया
बलराम के भाई और रुक्मिणी
के हैं जो सैंया
बजाकर बंसी मोह लेते हैं मन,
जो बंसी बजैया
कहलाते हैं माखन चोर,संग
ग्वालों के जो चराते हैं गैया
कोई और नहीं, हैं वो नटखट,
सांवले सलोने कन्हैया

राधा और मीरा दोनों ही रखती
हैं जिससे आस
संग गोपियों के जो रचाते हैं
मधुबन में रास
करके दर्शन जिनके, बुझ
जाती है आत्मा की प्यास
भक्तों के दिल में रखते हैं जो
जगह खास
कोई और नहीं, हैं वो माधव,
सहस्त्राकाश

करके वध कंस का दिलाया
त्रासने से खोया हुआ मान
बढ़कर चीर बचा ली थी
जिन्होंने द्रौपदी की आन
बन सारथी अर्जुन के और
दोस्त सुदामा के, बढ़ा दी थी दोनों
की शान
तोड़ा अभिमान इंद्र का,दिया
था कुरुक्षेत्र में गीता का ज्ञान
कोई और नहीं, हैं वो गोपाल,
सर्व शक्तिमान

जन्मदिन ही नहीं छठी भी
जिनकी धूमधाम से जाती है मनायी
जन्मदिवस पर कहीं मटकी
फोड़ आयोजन, कहीं झांकियां जाती
हैं सजायीं
कहीं भक्तों की टोली प्रभु को
झुलाती, कहीं भजन कीर्तन करती
देती है दिखाई
रात बारह बजे मंदिरों में बजते
हैं जिसके लिए घंटे,घड़ियाल और
शहनाई
कोई और नहीं, हैं वो
वासुदेवनंदन जिनके जन्मदिन ने है
धूम मचाई

वन्दना भटनागर
मुज़फ्फरनगर।
www.womenexpress.in

कृष्णा जन्माष्टमी का शुभ अवसर आया...

कृष्णजन्माष्टमी शुभ अवसर,
विचारो की देता हूँ पंक्ति चार।
कलयुग कलिंग गलियों से,
द्वापरयुग की कथा अपार।

आज भी मेरे गलियों में होती,
बृज लीला की गोविंदा गोपाला,
ग्वाल सखा सब झुंड चले,
मटकी तोड़ देखे बृज बाला।

बृंदावन की हर गलियन में
रास रचाये ग्वाल बाल संग।
बाँके बिहारी बृज त्रिपुरारी,
माया मोहनी रंग विरंग।

मुरारी जी जग रास रचे जब,
लीला अटपट देख के दंग।
आज भी जिसकी माया सारी,
परम्परा की अद्भुत नज़ारा।

झुंड गली में फोड़त मटकी,
जन्माष्टमी में झूमे जगसारा।
आओ सब सखा साथी मिल,
प्रभु गिरधर रंग में रंग जाए।

सत्य निष्ठा में गंगा बहे जहां,
प्रेम धुन की बांसुरी बजाए।
आज कलयुग की चरम सीमा,
काली बदरा सा छाए।

विडम्बना की चादर ओढ़े,
चादर ओढ़ घी खाए।
आज भी कितने गोपाला,
मटकी तोड़ने जाए।

मन मैला तन निर्मल जल से,
डुबकी कुम्भ लगाए।
आज समय की माँग है धारा,
मार्ग दर्शन कर जीवन अर्पण,

इस पावन बेला से पाएं,
बाँकेबिहारी छवि दर्पण।
हृदयवान सा पावन पर्व हो,
मनाएं कुछ ऐसा त्यौहार।

जन्माष्टमी सफल हो जाए।
हर प्राणी का जीवन उद्धार।

दिव्यानन्द पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़।
www.womenexpress.in

हे! कृष्ण कन्हैया फिर लो तुम अवतार...

हे! कृष्ण कन्हैया फिर लो तुम,
पृथ्वी पर अवतार,
कष्ट हरो दुखियारों के, हम
सबका कर दो उद्धार।
जन्म दिवस पर हम सभी भक्त
मना रहे खुशियाँ,
जीवन के तम को दूर करो,
खुले प्रगति का द्वार।।

एक बार फिर से आ जा प्रभु!
दो गीता का ज्ञान,
अभिलाषा हम सभी की है,
बजाओ बाँसुरी तान।।

चहुँओर मचा हुआ अधर्म व
असत्य का बोलबाला,
धन दौलत की तृष्णा बढ़ी, न
रह गए लोग इंसान।।

नाते रिश्ते खोते जा रहे,
कलयुग में अपनी पहचान,
मानवता अदृश्य हुई, बनते जा
रहे लोग अब हैवान।

माँ बहन बेटी का सरे आम
निकलना हो रहा दूभर,
द्रौपदी की लाज बचाने, आ
जाओ कृष्ण भगवान।।

सत्पथ पे चलना मुश्किल,
बस! बेईमानी है आसान,
फिर से एक बार प्रभु लो
अवतार, करता हूँ आह्वान।

द्वापर युग तो सिर्फ एक ही
कंस, जो था अत्याचारी
अब हर जगह कंस है फैले,
मार कर मिटाओ निशान।।

सदमार्ग पर चलने वालों का,
जीवन जीना है दुश्वार,
भ्रष्टाचार की आंधी है, रिश्तों
पर न हो रहा ऐतबार।

व्याकुल और व्यथित हो रहा,
हम सब का तन मन,
हे! कृष्ण कन्हैया फिर से लो
तुम, पृथ्वी पर अवतार।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।
www.womenexpress.in

मेरे कृष्णा...

जेल में जन्मा गोकुल का पलना
देवकी की गोदी यशोदा का ललना

गोपियों का है प्रिय राधा का प्रियतम
कई नाम तुम्हारे कृष्ण कहो या केशवम

देवकी का नंदन है यशोदा का लाल
वासुदेव का तनय है नंद का गोपाल

मित्रों संग माखन चुराते बड़े
चाव से खाते तुम
मैया के पूछने पर हर बार मुकुर
जाते हो तुम

ग्वाला बनकर वन में गाय
चराते हो तुम
मुरली बजाकर गोपियों संग
रास रचाते हो तुम
कालिया के फन पर नाच
नाचते तुम
संकट पर गोबर्धन पर्वत
ऊँगली पर उठाते तुम

प्रेम का अपार सागर चेतना का
चिंतन हो तुम
प्रीति की गागर और आत्मा का
मंथन हो तुम

भक्तों के लिए अमृत का
प्याला हो तुम

दुष्ट कंस के लिए विष का
प्याला हो तुम

अर्जुन का साथ निभाया वो
सारथी हो तुम
किया जीवन अनमोल वो ज्ञान
हो तुम

सोनी गुप्ता
कालकाजी, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

भारतीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह कोरोना वायरस पॉजिटिव

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 10 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम के फारवर्ड मनदीप सिंह कोविड19 के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं। वह इस घातक बीमारी से संक्रमित होने वाले छठे राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं। भारतीय खेल प्राधिरकण (साइ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जालंधर के 25 साल के मनदीप में इस बीमारी के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं और बेंगलुरू में पांच अन्य खिलाड़ियों के साथ डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। बेंगलुरू के साइ केंद्र में 20 अगस्त से राष्ट्रीय शिविर शुरू होना है। साइ ने बयान में कहा, ''भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य मनदीप सिंह का बेंगलुरू में साइ के नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस में

राष्ट्रीय शिविर से पहले 20 अन्य खिलाड़ियों के साथ कोविड परीक्षण (आरटी पीसीआर) किया गया और यह पॉजिटिव आया है। लेकिन उसमें लक्षण नहीं दिख रहे हैं।'' भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह और चार अन्य खिलाड़ी एक महीने के ब्रेक के बाद साइ केंद्र लौटने पर पिछले हफ्ते कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे। डिफेंडर सुरेंदर कुमार, जसकरन सिंह, ड्रैगफ्लिकर वरूण कुमार और गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक अन्य चार खिलाड़ी हैं जो पॉजिटिव पाए गए हैं। साइ के डॉक्टरों के अनुसार सभी खिलाड़ियों में मामूली लक्षण दिखाई दे रहे हैं और वे ठीक हैं। इन्हें बेंगलुरू के नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस में रखा गया है। इससे पहले खिलाड़ी कोरोना वायरस के चलते राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण केंद्र में दो महीने से अधिक समय तक फंसे रहे। ब्रेक से वापस लौटने पर खिलाड़ियों को केंद्र पर ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने से पहले अनिवार्य पृथकवास से गुजरना था। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 22 लाख से अधिक मामले सामने आ चुके हैं जबकि 45 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग के लिए आमिर खान पहुंचे तुर्की

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । आमिर खान जल्द हॉलीवुड क्लासिक फॉरेस्ट गम्प के आधिकारिक रीमेक में दिखाई देंगे, जिसका नाम है लाल सिंह चड्ढा' है। इस फिल्म में करीना कपूर, विजय सेतुपति और मोना सिंह भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अतुल कुलकर्णी द्वारा लिखित और फिल्म अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित है इस फिल्म को वायाकॉम18 स्टूडियोज़ और आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित किया जाएगा।

इसी बीच खबर है कि आमिर खान की इस अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग के लिए तुर्की में हैं। तुर्की में शूटिंग करते हुए आमिर खान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं।

खबरों की मानें तो भारत में कोरोनावायरस महामारी के बढ़ते हुए कहर के कारण आमिर खान ने भारत से शूटिंग तुर्की में करने का फैसला लिया है। आपको बता दें कि फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में लगभग 100 जगह पर होने की बात कही गई थी लेकिन कोरोना वायरस और लॉकडाउन की वजह से शूटिंग काफी प्रभावित हुई और बीच में रोकनी पड़ी थी। आखिर बार फिल्म की शूटिंग पंजाब में शेड्यूल किया गया। जहां करीना और आमिर खान दोनों ही शूटिंग कर रहे थे। उनका यह शेड्यूल काफी लंबा था। अभी तक कोलकाता, दिल्ली, राजस्थान, चंडीगढ़ और अमृतसर जैसी जगहों पर शूटिंग हो चुकी है।

बताते चलें कि, बीते दिन आमिर खान ने अपने घर में कोरोना वायरस की एंट्री की खबर देकर सबको हैरान कर दिया था। उनके 7 हेल्पर्स को कोरोना पॉजिटिव होने की बात सामने आई थी। वहीं अब उनकी मां की कोरोना रिपोर्ट सामने आ चुकी है। आमिर खान ने बताया है कि कुल 7 मेंबर्स कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसके बाद घर के सभी सदस्यों का कोरोना टेस्ट करवाया गया था। अब आमिर ने खुद ये जानकारी दी है कि इस टेस्ट में उनकी मदर का टेस्ट नेगेटिव आया है।

थ्रिलर किसी एक्टर के लिए एक परफेक्ट कैनवास बनाता है: बिपाशा बसु

मुंबई। अभिनेत्री बिपाशा बसु को थ्रिलर प्रोजेक्ट्स करना बहुत पसंद है क्योंकि इसमें ड्रामा, एक्शन, रोमांस, डर सब कुछ बयां करने का मौका मिलता है। बिपाशा कहती हैं, थ्रिलर किसी कलाकार के लिए एक परफेक्ट कैनवास का निर्माण करता है। इसमें ड्रामा, एक्शन, रोमांस, डर जैसे कई तरह के भावों को बयां करने को मिलता है जिसके चलते मुझे हमेशा से ही इस शैली ने अपनी ओर आकर्षित किया है। वह आगे कहती हैं, मेरा यह भी मानना है कि दर्शक भी इसे देखना पसंद करते हैं क्योंकि यह आपको एहसास दिलाता है कि आप भी उस कहानी में शामिल हैं, अपने दिमाग में उस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि मुझे अन्य शैलियां भी पसंद है, लेकिन थ्रिलर हमेशा से मेरे लिए खास रहा है और डेंजरस और भी खास है। मुझे यह बात काफी अच्छी लगी कि मुझे इस प्रोजेक्ट पर करन (पति करन सिंह ग्रोवर) के साथ दोबारा काम करने को मिलेगा और विक्रम (भट्ट), भूषण (पटेल) और मीका (मीका सिंह) संग जुड़ने को मिलेगा।

कृष्ण से पाप मिटता है

कृष्ण का नाम लेने से, खिलें
सूखे सभी उपवन
कृष्ण का जाप करने
से,सुवासित होता हर तनमन
कृष्ण से है जगत सारा,कृष्ण हैं
धर्म का आशय,
कृष्ण से काम हर पूरा,सभी की
ज़िन्दगी गुलशन ।
प्यार राधा औ किशना का,धर्म
की ही कहानी है
बिरज की भूमि में महकी,ये
इक नेहिल बयानी है
समर्पण,त्याग औ निष्ठा,दिलों में
भाव का दर्पण,
अमर अनुराग से ही
तो,मुहब्बत नित सुहानी है ।
कृष्ण से नीति पलती है,कृष्ण
से ही धरम पलता
कृष्ण से पाप मिटता
है,अनाचारी नहीं खलता
कृष्ण से वासना मिटती,कृष्ण
से कामना हटती,
कृष्ण की ही दया से यह,जगत
देखो सतत् चलता ।

प्रो.शरद नारायण खरे
मंडला (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

कृष्णा के नाम राधा

कृष्णा, बारिश की बूदें झम झम...!
जैसे तेरी पायल बाजे छम छम...!!
राधा, बारिश की बूदें झम झम...!
जैसे मेरी पायल बाजे छम छम...!!
बनकर मोरनी मोर नाचेंगे हमदम..।
कृष्णा, बनकर मोरनी मोर नाचेंगे हमदम..
राधा, तेरे नैनन से बरसे मोती...!
मेरे पग पग के ज्योति...!!
प्रेम अमर हो जाए हमारा..,
युगों युगों तक बनी रहूं सनम ।
बारिश की बूदें झम झम...!
जैसे मेरे पायल की घुंघरु छम छम..!
कृष्णा, बारिश की बूदें झम झम...!
जैसे तेरी पायल की घुंघरु छम छम...!
बनकर चाँद चकोर नाचेंगे हमदम...
राधा, बनकर चाँद चकोर
नाचेंगे हमदम...।।
एक पग से तीनों लोक नापने वाला
दूजा पग से प्रेम रहस्य थामने वाला
तेरे पग पग पर वारी जाऊँ..,
न्यौछावर मन जनम जनम..।
होकर प्रेम विभोर नाचेंगे हमदम..
कृष्णा, होकर प्रेम विभोर
नाचेंगे हमदम..।।
बारिश की बूदें झम झम...!
जैसे तेरी पायल की घुंघरु छम छम..
दोनों, बारिश की बूदें झम झम...!
जैसे पायल की घुंघरु छम छम..!!
बनकर मोरनी मोर नाचेंगे हमदम ।।

मनोज
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

जन्मे नंदलाल

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी,
घनघोर अंधेरी रात।
रोहिणी नक्षत्र में जन्मे,
मथुरा में नंदलाल।।

वासुदेव कान्हा को हिय से लगाए
चल दिए नंद के द्वार।
यमुनाजी भी राह निहार,
कान्हा के चरण स्पर्श को थी तैयार।।

देवकी के कान्हा,
यशोदा के कहलाए नंदलाल।
वृदांवन में मच गई धूम ,
बज गए ढोल और थाल।।
दुष्ट कंस का विनाश करने,
कृष्णा अवतराती बन आए हैं।
अनेकों लीला धर के प्रभु,
सबके हिए को भाए हैं।।

कृष्णसुदामा की मित्रता का,
पाठ कान्हा समझाए है।
द्रौपदी के भाई बन ,
बहना की लाज बचाए हैं।।

जीवन का सार कान्हा ने,
गीता उपदेश दे बताए हैं।
मुक्ति का यही मार्ग सुगम,
मानव को समझाए हैं।।

रश्मि वत्स
मेरठ(उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

कृष्ण-कन्हैया

आओ हम सब मिलकर कृष्ण
जन्मोत्सव मनाते है
घरद्वार और मंदिर को फूलो से
सजाते है
वसुदेवदेवकी नंदन और
जशोदा के लाल कहलाते है
भाद्रपदकृष्णअष्ठमी को कृष्ण
अवतरण मनाते है

कृष्ण, कान्हा और कन्हैया की
लीला देखो कमाल है
मित्र,सखा और गोपियो संग वो
करते धमाल है
बचपन मे चुराते माखन वो
नंदलाल महान है
कृष्ण के ही आशिर्वाद से
सुरक्षित ये जहांन है

बांसुरी से वो अपनी जब राग
मल्हार बजाते है
पशुपक्षियो और प्राणियो के
दिल मे सीधे बस जाते है
गायो की रक्षा के लिए वो
रक्षक बन जाते है
गोप्रेम से प्रीत से ही
कान्हा,गोपाल भी बन जाते है

दिनदुखियो के दुख को हरने
वाले कृष्णकन्हैया
गोकुल,मथुरा और वृन्दावन को
पवित्र करते कृष्णकन्हैया
कलयुग मे अवतरित होकर
अधर्म का नाश करते कृष्णकन्हैया
सब को सत्य की पहचान
कराते ये यदुवंशी कृष्णकन्हैया...

नरेंद्र सिंह भाटी मेवी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

कृष्ण कन्हैया लाल की

भादौं की घनघोर भयानक, औ
अँधियारी रात में।
वसुदेव जी लिये लाल
को,भीग रहे बरसात में।

बढ़ी हुई यमुना उफान पर, घर
घर शोर मचाती है।
जिसका भय प्रद स्वर सुन
करके,रूह काँप सी जाती है।

है किसको परवाह जान
की,चिंता किसको काल की।
चिंता तो है वसुदेव को,कृष्ण
कन्हैया लाल की।

बिठा टोकरी सिर पर रख
कर,चले बचाने जान को।
जो सबकी हैं रक्षा करते,उन्हीं
कृष्ण भगवान को।
लीलाधर की लीला देखो,सब
निर्भर जगदीश पर।
आज टोकरी में छुप बैठे,वही
पिता के शीश पर।
रखे शीश पर शिशु कान्हा
को,आगे बढ़ते जाते हैं।
स्वयं ब्रह्म को आज
बचाने,को आकुल घबराते हैं।

धीरेधीरे जल की धारा,उन्हें
डुबोती जाती है।
प्रभु के कोमल पद कमलों
को,छूने को ललचाती है।

प्रभु के पदपंकज छूने में,बाधा
है यह बड़ी विकट।
मेरी धार बढ़ी यदि ऊपर,
वसुदेव पर जीवन संकट।

अन्तर्यामी प्रभु ने पढ़
ली,कालिन्दी के मन की भाषा।
पदपंकज नीचे लटकाये, यमुना
कर पूरी अभिलाषा।

गरज रहीं घनघोर घटाएं,बरस
रही जल धार प्रबल।
शेषनाग ने छाया करके,अपना
जीवन किया सफल।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
लहार, भिण्ड, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मेरे कृष्ण कन्हैया प्यारे

कृष्ण कन्हैया मोहन प्यारे
संकट हर लो आज हमारे
बंशी की तुम मधुर धुनों से
दूर करो मन के अंधियारे..।।

मीरा जैसा प्रेम जगा दो
मेरे भी अंतर्मन में
मेरा जन्म सफल हो जाए
कट जाएं फिर संकट सारे..।।

निर्मल प्रेम की परिभाषा को
आप के जीवन से सीखा है
सखा धर्म भी आप से सीखा
मेरे कृष्ण कन्हैया प्यारे..।।

दया दृष्टि कुछ आज करो तुम
मेरा जीवन भी सुखमय हो
हर सुखदुःख को मैं सह पाऊं
मेरा मन ये तुम्हें पुकारे..।।

आप के जन्म दिवस पर प्रभु जी
वंदन और अभिनंदन है
भक्तों का उद्धार करो अब
आए हैं सब द्वार तुम्हारे...।।

कृष्ण कन्हैया मोहन प्यारे
संकट हर लो आज हमारे
बंशी की तुम मधुर धुनों से
दूर करो मन के अंधियारे..।।
दूर करो मन के अंधियारे..।।

विजय कनौजिया
अम्बेडकर नगर (उ0 प्र0)।
www.womenexpress.in

अब तो आ भी जा मेरे नन्दलाल

कान्हा कान्हा अब तो आ भी
जा मेरे नन्दलाल
कान्हा कान्हा अब तो आ भी
जा मेरे नन्दलाल

तेरी राधा पुकार रही है, पलपल
पंथ निहार रही है
बिन तेरे सूनी ब्रज की
कुंजे,सूनी हैं राहें ,सूनी निगाहें
मन का द्वार भी पड़ गया सूना,
आ जाओ इक बार
कान्हा कान्हा अब तो आ भी
जा मेरे नन्दलाल

मेरी ये अँखियाँ तुझको हीं ढूँढे,
नैनों से नित अश्रु बरसे
देख लताएँ भी मुरझाई, बिन
तेरे तरसी राधा बेचारी
यमुना जल भी हुई अति
काली,दे दो दरस इक बार
कान्हा कान्हा अब तो आ भी
जा मेरे नन्दलाल

बिन तेरे तरसे नैन बेचारे ,
तरस गई हैं ब्रज की राहें
तरस गये गोपग्वाल अब सारे
,तरसी गोकुल की ये शाखें
आकर तरस मिटा दो
नन्दलाल, आन बसो इक बार
कान्हा कान्हा अब तो आ भी
जा मेरे नन्दलाल

प्रेम तुम्हें करते हैं कितना, क्यों
तुम हमको समझ ना पाये ?
कैसे हो गया तु निर्मोही ,
कान्हा क्यों तू हमको सताए ?
हम गोपी मन की अति भोली,
याद में तेरे लगा बैठे हैं व्याधि
मिटा दो मन की पीड़, अब आ
भी जा इक बार
कान्हा कान्हा अब तो आ भी
जा मेरे नन्दलाल

कमला सिंह, महिमा
खोरीबाड़ी ,पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

मेरी स्त्री

होता है जैसे मैंने उसे उससे ही छीन
लिया है उसके वजूद को तबाह कर
दिया है।

ए मेरी प्यारी स्त्री कभी कुछ तो मांगो
मैं खुद को तुम पर बिछाना
चाहता हूँ तृप्त वसुधा सी कभी तो
नैनो में प्यास भरो।

वो एक पहेली है
देवदूत सी निर्मोही देने में माहिर
लेना सिखा ही नहीं।

मैं कृतघ्न हूँ मेरे आसपास
उसकी ऊर्जा की रोशनी लिपटी
रहती है
मेरा दिया हुआ सबकुछ
नतमस्तक सी
आँचल में संजोते मेरे पदचिन्ह
पर चलती रहती है।

मेरी हर बात पर स्वीकृति में
हंसी की मोहर लगाते अपने चेहरे
पर संतोष मलती है
वो मुझे पी रही है अपनी
फ़ितरत के दायरे में खुश होते।

गढ़ती रहती है मेरे बनाए
घोसले को सजाती रहती है अपनी
सलुकाई के हुनर से।
मैं परेशान हो उठता हूँ महसूस

तुम्हारी सादगी पर फ़ना हो
जाऊँ अपने शांत पिंजर से निकलो
उड़ो मेरे विशाल दिल के आसमान
में सरताज नहीं साथी समझो।
मेरे पहलू में बैठो अपना हक
जताकर लड़ो छीनों अपने आप को
मेरी परतों से उधेड़कर।

निरंतर सौम्य नदी सी बहते
थक नहीं जाती कभी वेगवान बनों
अपनी चंचलता के उफ़ान में मुझे
बहा ले जाओ।
मैं तूफ़ानी सागर हूँ मुझमें
सराबोर ढ़ल जाओ।

मेरी आत्मा अहसानमंद है
तुम्हारी नज़ाकत से उम्मीद है तुम
समझो की मैं तुम्हारा हूँ मेरा सबकुछ
अपने नाम कर लो।

भावना ठकर
बेंगलोर, कर्नाटक ।
www.womenexpress.in

धरती को रहने योग्य बनाएं

चलो इस धरती को
हम रहने योग्य बनाए
जात पात रग राग द्वेष
इस धरा से इनको हम मिटाएं
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं

हरा भरा हो हर मंजर ऐसा हम
संकल्प उठाएं
प्रेमभाव का गीत जो गाए
नफरत का अंजाम न दे पाए
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं

इंसान को इंसान समझा जाए
मन मंदिर को भगवान बनाएं
ईमानदारी हो इस धरा पर
भ्रष्टाचार पनप न पाए
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं

नारी सम्मान का संकल्प उठाएं
दरिंदों पर आवाज़ उठाएं
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं

क्या नर्क क्या स्वर्ग है
इसका हम भेद मिटाएं
इस धरा को ही हम स्वर्ग बनाए
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं

चारों तरफ हो हरियाली
ऐसी हम धान उपजाएं
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं

क्या अल्लाह क्या ईश्वर है
क्या गिरिजा क्या गुरुद्वारा है
क्या मस्जिद है
क्या मंदिर है इसका हम सब
भेद मिटाएं
चलो इस धरती को हम रहने
योग्य बनाएं.....

सतीश सांगलवार
धौलपुर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

बस राम ही राम

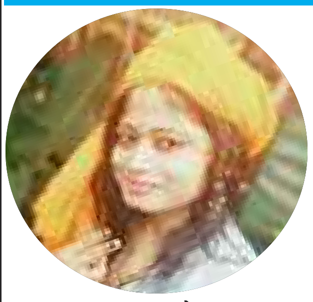

कण कण में राम
रोम रोम मे राम
धरा गगन बहती सरिता के
पावन धराओ मे राम
मन मे राम, आत्मा मे राम
मधुर स्वरों मे राम
प्रेम मे राम, त्याग मे राम
विश्वास मे राम, करुणा मे राम
वादन मे राम, शांति मे राम
पुण्य मे राम, एकता मे राम
आशाओं मे राम, प्रारंभ मे राम
अंत मे राम, चेतना मे राम
सृजन मे राम, तपस्या मे राम
धैर्य मे राम, प्रगति मे राम
शक्ति मे राम, भक्ति मे राम
निस्वार्थ मे राम, सत्य मे राम
दुःख मे राम, सुख मे राम
तुम मे राम, मुझमें राम
हम सबमे राम
जिधर देखो वही राम
जय सिया राम

सरिता श्रीवास्तव
आसनसोल, बर्नपुर
(पश्चिम बंगाल)।
www.womenexpress.in

क्यूँ कहते तुम अकेले हो

क्यूँ कहते तुम अकेले हो
जहाँ देखते भीड़ बहुत
व चंद क्षणों के मेले हैं
क्यूँ कहते तुम अकेले हो

निज स्वार्थ में डूबी दुनिया
मानवता धर्म भूल गये
अपना पराया का मोल नहीं
तुम पर हम,हम ही हम
की होड़ लगी
क्यूँ कहते तुम अकेले हो

एक अकेला सम्राट अशोक ने
चहूँ दिश झंडा फहराया था
एक अकेली लक्ष्मीबाई ने
अंग्रेजों को धुल चटाई थी
क्यूँ कहते तुम अकेले हो

नदी की धार बन
खुद अपनी राह चुनो
व्यर्थ की बातें दफन करो तुम
जीवन का मूल मंत्र चुनो
क्यूँ कहते तुम अकेले हो

चुक हुआ होगा तुमसे भी
बातों को तुम याद करो
है भला कोई दुनिया में
जो कभी ना कोई चुक करें
क्यूँ कहते तुम अकेले हो

राह बड़ा मुश्किल है लेकिन
सत्य मार्ग की राह चुनो
एक अकेला क्या नही करता
क्यूँ कहते तुम अकेले हो

प्रियंका रानी
बहादुरगढ़, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

रोटी अटकी है हलक में..

रोटी अटकी है हलक में, जैसा
आधा चांद फलक पे,
हर तरफ है घुप अंधेरा, तू जाए
चाहे जिस सड़क पे।

हर गली वीरान है, सूना हर
मकान है,
हे मानव तू अब तो रुक जा,
खुद कह रहा भगवान हैं।

तेरी गलती, तेरी खुदगर्ज़ी का
ही ये परिणाम है,
प्रकृति मानो गिन गिन ले रही
अपना हर इंतकाम है।

तुम्हे बचाने को और कोई दे
रहा बलिदान है,
आज एकता कि कसौटी पे
खड़ा अपना हिंदुस्तान है।
है निर्धन भूखा और लाचार
बिन रोटी बिन रोजगार,
बन रिपु इस मानवता के, पूरी
कौम को किया हैं शर्मसार।

खेतों में रही कनक लहरा,
समीर रहा मधुर संगीत सुना।
फिर भी रोए निर्धन किसान,
कुछ मदद करो तुम ही भगवान।

गरीबों के छीन गए रोज़गार,
लूटे पर्देशियो के घरबार,
जो खाते थे कमा के हक से,
औरों के आगे हुए नतमस्तक से।

वो सबसे जादा तबाह हुआ,
बीच सड़क बिन राह हुआ,
यह मिडिल क्लास की है
दास्तां, हां यही है आज का
हिंदुस्तान।

अब बस कुदरत ही अपना
ईमान दिखा रही हैं,
अमीर गरीब सभी को
ईमानदारी से मौत की
नींद सुला रही है।

आशीष सागर
भागलपुर, बिहार ।
www.womenexpress.in

बाँसुरी वाले कृष्ण कन्हैया का जन्मोत्सव: जन्माष्टमी

भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का जन्माष्टमी पर्व भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो रक्षाबंधन के बाद भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है।भगवन कृष्ण के जान से जुडी कथाएं है उनमें से एक यह भी है जब देवकी ने श्री कृष्ण को जन्म दिया, तब भगवान विष्णु ने वासुदेव को आदेश दिया कि वे श्री कृष्ण को गोकुल में यशोदा माता और नंद बाबा के पास पहुंचा आएं, जहां वह अपने मामा कंस से सुरक्षित रह सकेगा। श्री कृष्ण का पालनपोषण यशोदा माता और नंद बाबा की देखरेख में हुआ। बस, उनके जन्म की खुशी में तभी से प्रतिवर्ष जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है।पूजा हेतु सभी प्रकार के फलाहार, दूध, मक्खन, दही, पंचामृत, धनिया मेवे की पंजीरी, विभिन्न प्रकार के हलवे, अक्षत, चंदन, रोली, गंगाजल, तुलसीदल, मिश्री तथा अन्य भोग सामग्री से भगवान का भोग लगाया जाता है। जन्माष्टमी पर्व पर नई पोशाख ,मोर पंख ,पारिजात के फूलों का भी महत्त्व है ऐसी मान्यता है जन्माष्टमी के व्रत का विधि पूर्वक पूजन करने से मनुष्य मोक्ष प्राप्त कर वैकुण्ठ धाम जाता है।प्राचीन ग्रंथों में बाँसुरी के बारे में कहा गया है कि बाँसुरी की तान में चुम्बकीय आकर्षण होता है । प्राचीन ग्रंथों में इस बात का उल्लेख मिलता है की कृष्ण अपनी बांसुरी से ब्रजसुंदरियों के मन को हर लेते थे ।भगवान के बंशीवादन की ध्वनि सुनकर गोपियाँ अर्थ ,काम और मोक्ष सबंधी तर्कों को छोड़कर इतनी मोहित हो जाती थी कि रोकने पर भी नहीं रूकती थी ।क्योकिं बाँसुरी की तान माध्यम बनकर श्रीकृष्ण के प्रति उनका अनन्य अनुराग ,परम प्रेम उनको उन तक खीच लाता था।सखा ग्वाल बाल के साथ गोवर्धन की तराई ,यमुना तट पर गौओ को चराते समय कृष्ण की बाँसुरी की तान पर गौएँ व् अन्य पशु पक्षी मंत्र मुग्ध हो जाते ।वही अचल वृक्षों को भी रोमांच आ जाता था । कृष्ण ने कश्यपगोत्री सांदीपनि आचार्य से अवंतीपुर (उज्जैन)में शिक्षा प्राप्त करते समय चौसठ कलाओं (संयमी शिरोमणि) का केवल चौसठ दिन रात में ही ज्ञान प्राप्त कर लिया था। उन्ही चौसठ कलाओं में से वाद्य कला के अन्तर्गत गुरुज्ञान के द्धारा सही तरीके से बाँसुरी वादन का ज्ञान लिया था ।

संजय वर्मा
मनावर (धार)।
www.womenexpress.in

योगी ने कोविड अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था के दिए निर्देश

कोरोना से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जनता को निरन्तर जागरूक किया जाए

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 10 अगस्त । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त कोविड अस्पतालों में गुणवत्तापरक चिकित्सा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आवश्यकतानुसार इन अस्पतालों में अतिरिक्त चिकित्साकर्मियों की तैनाती की जाए। उन्होंने सभी जनपदों में कोविड19 के दृष्टिगत एल2 व एल3 कोविड अस्पतालों में बेड्स की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इन अस्पतालों में आई0सी0यू0 बेड्स की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन निजी मेडिकल कॉलेजों में कोविड चिकित्सालय स्थापित किए गए हैं, वहां की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एक नियंत्रक अधिकारी

नामित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद कानपुर नगर तथा लखनऊ में कोविड19 के संक्रमण को नियंत्रित करने तथा चिकित्सा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के कार्यों में सम्बन्धित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से दोनों जनपदों में विशेष सचिव स्तर के दो दो अधिकारी तैनात किए जाएं। इसके अलावा जनपद वाराणसी, प्रयागराज, बरेली, गोरखपुर तथा बहराइच में भी सम्बन्धित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए विशेष सचिव स्तर का एक अधिकारी तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोविड19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सभी प्रयास जारी रखे जाएं। कोरोना वायरस से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जनता को निरन्तर जागरूक किया जाए। टी0वी0, रेडियो, समाचार पत्रों, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पोस्टर बैनर आदि के माध्यम से लोगों को जानकारी प्रदान की जाए।

मास्क के अनिवार्य उपयोग, दो गज की दूरी बनाए रखने के सम्बन्ध में आमजन को लगातार जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी अस्पतालों में फायर सेफ्टी के सभी मानक पूरे हों।

इसके साथ ही, अस्पतालों में अन्य सुविधाएं भी तय मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बाढ़ प्रभावित व जलमग्न इलाकों में लोगों को समय से राहत पहुंचाई जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में आवश्यकतानुसार शरणालय स्थल भी तैयार किए जाएं।

मथुरा में सभी मंदिर रहेंगे बंद

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । इस बार कृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा के सभी मंदिर बन रहेंगे। कोरोना के चलते मंदिरों में श्रद्धालुओं के आने पर बैन लगाया गया है। हालांकि ये पहली बार ही होगा जब श्रद्धालुओं के बिना बुधवार को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस बार श्रद्धालु श्रीकृष्ण के दर्शन नहीं कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि बढ़ते कोरोना संकट को देखते हुए सभी मंदिरों में कोरोना महामारी के सभी दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा लेकिन इस बार श्रद्धालुओं का आनाजाना नहीं हो सकेगा। लेकिन मथुरावृन्दावन, गोवर्धन, नन्दगांव, गोकुल, महावन, बरसाना और बलदेव आदि सहित सभी मंदिरों को 10 अगस्त की दोपहर 12 बजे से 13 अगस्त दोपहर बाद तक बंद किया जाएगा, ताकि भक्तों का आगमन न हो सके। लेकिन इन नियमों के साथ ही यह भी ध्यान रखा गया है कि श्रद्धालुओं को मंदिरों में न सही लेकिन उनके घरों तक भगवान कृष्ण के जन्म के पावन दर्शन हो सकें कार्यक्रम शुरू कर लिए जाएंगे। सबसे पहले जन्माभिषेक का अलौकिक कार्यक्रम रात्रि 11 बजे वंदना से शुरु होकर, नवग्रह पूजन कर समाप्त होगा

इसलिए इस बार दूरदर्शन व अन्य चैनलों द्वारा मथुरा से टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। लाइव टेलीकास्ट के जरिये सभी भक्तगण श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दर्शन का लाभ ले सकेंगे। वहीं, मथुरा में हमेशा की तरह जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रात्रि 11 बजे से ही सभी उसके बाद, 12 बजे कृष्ण के जन्म के साथ ही आरती प्रारंभ की जाएगी। इसके बाद सभी तरह के सुगन्धित द्रव्यों और वस्त्रों को धारण कर भगवान श्रीकृष्ण अभिषेक स्थल पर विराजेंगे। इस दौरान सभी भक्त ऑनलाइन भगवान के जन्म का आनंद लेते हुए दर्शन करेंगे।

एक नजर

शुरआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक से अधिक चढ़ा

मुंबई । वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने और एचडीएफसी, लार्सन एण्ड टुब्रो, कोटक बैंक के शेयरों में लिवाली से बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स सोमवार को शुरुआती कारोबार में 300 अंक से अधिक चढ़ गया। कारोबार के शुरुआती दौर में बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 317.68 अंक यानी 0.84 प्रतिशत बढ़कर 38,358.25 अंक, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी सूचकांक 92.05 अंक यानी 0.82 प्रतिशत बढ़कर 11,306.10 अंक पर पहुंच गये। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा चार प्रतिशत से अधिक चढ़कर सबसे आगे रहा। इसके अलावा लार्सन एण्ड टुब्रो, आईटीसी, कोटक बैंक, स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक व एचडीएफसी के शेयरों में बढ़त रही। इसके विपरीत मारुति, टाटा स्टील और नेस्ले इंडिया में गिरावट का रुख रहा। पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 15.12 प्रतिशत यानी 0.04 प्रतिशत बढ़कर 38,040.57 अंक और निफ्टी 13.90 अंक यानी 0.12 प्रतिशत ऊंचा रहकर 11,214.05 अंक पर बंद हुआ था। शेयर बाजारों के आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 397.32 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध रूप से लिवाली की। एशियाई बाजारों में शंघाई, हांग कांग और सोल के शेयर बाजारों में बढ़त रही जबकि टोक्यो में सोमवार को अवकाश रहा।

भूमि पूजन के बाद से लगातार आ रहा दान और चंदा

अयोध्या । अयोध्या में पिछले पांच अगस्त को राम मंदिर निर्माण के लिये हुये भूमि पूजन के बाद से मंदिर के लिये लगातार दान और चंदे की राशि आ रही है। हालांकि चंदा पहले से ही मिल रहा था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमि पूजन के बाद से इसमें तेजी आ गई है ।मंदिर निर्माण के लिये पांच लाख तक की रकम सीधे ऑनलाईन खाते में जा रही है ।लोग चांदी और सोना भी दान में दे रहे हैं लेकिन उनसे ऐसा नहीं करने का आग्रह किया गया है क्योंकि इन्हें सुरक्षित रखने की बड़ी समस्या होगी। एक लाख तक का चंदा देने वालों की बहुत बड़ी संख्या है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने खुद सवा लाख रूपये का चंदा दिया है। इसके अलावा पटना के हनुमान मंदिर ट्रस्ट पहले ही दस करोड़ रूपये देने की घोषणा कर चुका है। इसमें दो करोड़ की रकम पहले ही दी जा चुकी है। हरिद्वार और हरियाणा के संतों ने भी 56 लाख रूपये चंदे के रूप में दिये हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में विदेशों में रह रहे राम भक्तों ने भी बड़ी राशि दी है। ट्रस्अ के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मंदिर को भव्य बनाने में पैसे की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक कुंतल से ज्यादा चांदी जमा हो गई है। इसके अलावा सोना भी है। बल्कि मंदिर के लिये सीधे खाते में ही रकम जमा कर दें।

जायसवाल समाज सदियों से समाज सेवा में रहा है आगेः मनोज

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी । जायसवाल क्लब के सदस्यों की सारनाथ स्थित गोपालजी जायसवाल के आवास पर आयोजित बैठक में संगठन को और मजबूत करने के लिए युद्धस्तर पर जुटने की अपील की गयी। इस मौके पर क्लब के राष्टीय अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने कहा कि जायसवाल समाज का देश के निर्माण में अहम योगदान रहा है। परम् पूज्य राजराजेश्वर सहस्त्रार्जुन महाराज समाजवाद के प्रवर्तक युगपुरुष रामराज के समर्थक और महादानी थे। उनके पद चिन्हों पर चलकर समाज की उन्नति और तरक्की संभव है। देश की अर्थव्यवस्था में शुरू से स्वजातिय बंधुओं का विशिष्ट योगदान रहा है। कोरोना के इस संकट काल में भी समाज की संस्थाओं ने आगे बढ़ चढ़कर जरूरतमंदों की मदद का बीड़ा उठाया है। समाज सेवा भाव में क्लब निरंतर अगड़ी रहा है। लॉकडाउन में समाज के जरुरतमंदों को भोजन से लेकर हर तरह का सहयोग किया गया। समाज के लोगों ने हमेशा जरूरतमंदों की मदद की है।

कोई जरूरतमंद भूखा ना रहे इसके लिए राशन खाना पहुंचाया गया। विपदा की इस घड़ी में समाज शुरू से जरूरतमंदों की मदद के लिए अग्रणी रहा है। हर तबके के लिए घरों तक राशन और भोजन पहुंचाया गया है। इस अवसर पर क्लब के प्रदेश अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल, मुंबई से आएं संजय कलवार, मुरलीधर जायसवाल, संजीव जायसवाल, मनोज जायसवाल पतंजलि, शरद चंद्र जायसवाल, अरविन्द जायसवाल, धमेन्द्र बबलू जायसवाल, गुड्डू जायसवाल, जीतचंद्र जायसवाल, नीरज जायसवाल, कमलेश जायसवाल, विजय जायसवाल आदि मौजूद थे। अंत में क्लब के सक्रिय सदस्य गोपालजी जायसवाल की ओर से स्वजातीय बंधुओं ने बाटीचोखा का आनंद लिया।

कविता कहानी लेखन कार्यशाला में सम्पूर्ण भारत से जुटे प्रतिभागी

प्रख्यात कथत नृत्यांगना नलिनी कमिलिनी ने किया उद्घाटन

(शरद मिश्र/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज। प्रिज़्डेल लर्निंग द्वारा ऑनलाइन आयोजित दस दिवसीय कविता एवं कहानी लेखन कार्यशाला में उद्घाटन अतिथि के रूप में देश की श्रेष्ठ कथक नृत्यांगना नलिनी कमलिनी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में नैनीताल से कवियत्री गौरी मिश्रा, कवि श्लेष गौतम, गीतकार शैलेन्द्र मधुर, कहानीकार डॉ सनातन मिश्रा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन कवि एवं लेखक शरद कुमार मिश्र ने किया। नलिनी कमलिनी ने कहा कि कविता लिखने का मतलब, अपने अंदर झाँकना और अपने चारों ओर मौजूद दुनिया को ध्यान से देखना। एक कविता प्यार लेकर कुछ खोने तक या किसी पुराने खलिहान के जंग लगे दरवाजे तक, किसी भी बारे में हो सकती है। एक सही प्रेरणा और नजरिया अपनाकर, आप एक ऐसी कविता लिख सकते हैं, जिसे आप खुशीखुशी सभी के साथ शेयर कर सकेंगे। कवियत्री गौरी मिश्रा ने कहा कि कविता की शुरुआत किसी छोटे

से छंद मात्र से, कहीं से भी आ रही कुछ एक या दो लाइन से, या आपके मन से दूर जाने का नाम ही नहीं ले रही किसी एक तस्वीर से भी हो सकती है। आप बस लिखने का अभ्यास करके और अपने चारों तरफ मौजूद दुनिया का इस्तेमाल करते हुए भी अपने लिए एक प्रेरणा की तलाश कर सकते हैं। जब आपको अपने लिए एक प्रेरणा मिल जाए, फिर आप आपके विचारों को एक कविता का आकार दे सकते हैं। श्लेष गौतम ने कहा कि कविता के लिए ऑनलाइन प्रॉम्प्ट की तलाश करें या फिर अपना खुद का विचार इस्तेमाल करें, जैसे कि, पानी को कैसा महसूस होता है या बुरी खबर सुनकर कैसा अहसास होता है। आपके मन में जो भी कुछ आता है, उसे लिख लें और देखें कि ये आपको कहाँ लेकर जाता है। किसी ऐसे के बारे में कुछ लिखें, जिसकी आपको परवाह है। एक ऐसी याद को चुनें, जिसके लिए आपके अंदर बहुत ज्यादा दृढ़ भावनाएँ हैं।

शैलेन्द्र मधुर ने कहा कि अपनी आँखें बंद करें, अपने मन को साफ करें, और फिर आपके मन के सामने आने वाले यादगार लम्हे की ओर ध्यान लगाएँ। ध्यान दें, कि ये आपके मन में पॉज़िटिव या नेगेटिव, कौन से इमोशन्स ला रही हैं, और इसकी जाँच करें। स्ट्रॉग इमोशनल मूमेंट से अक्सर ही खूबसूरत और मजेदार कविता निकलकर आती हैं।

सनातन मिश्र ने कहा कि आपके चारों तरफ एक अच्छी कविता या कहानी लिखने के लिए प्रेरणा भरी हुई है, फिर चाहे आपने अभी तक इसे देखा न हो।

महिलाओं में सृजन क्षमता बढ़ाने के लिए WWC ने किया राष्ट्रीय महिला काव्य सम्मेलन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 10 अगस्त । कोरोना संकट काल में महिलाओं में सृजन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूसी ने पहला राष्ट्रीय महिला काव्य सम्मेलन 9 अगस्त को किया। डब्ल्यूडब्ल्यूसी की रांची चैप्टर के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन का प्रायोजक डब्ल्यूडब्ल्यूपी था। इसमें देश भर की कवयित्री, प्रोफेसर, लेखिका, विभिन्न विद्यालय, कॉलेजों की महिलाओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि फिल्म निर्देशक दिनेश शाहदेव थे। सम्मेलन की संचालिका डब्ल्यूडब्ल्यूसी की रांची जिला अध्यक्ष करुणा सिंह थी। कवयित्री पुष्पा सहाय, कवि डॉ सुरेश शौर्य ने सहयोग किया। कार्यक्रम की शुरुआत करुणा सिंह 'कल्पना' की सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद डॉ विजय लक्ष्मी, काठगोदाम, तमन्ना चाहत मौर्य , पूजा सैनी, दिल्ली, नेहा जैन, ललितपुर स्वाति जैसलमेरिआ, आयुषी कुमारी, बिहार, राजस्थान की कजरी , डॉ बीना सिंह (कजरी), पायल पांडेय, मुंबई (कब बदलेगी पुरुष की विचारधारा), पुष्पा सहाय, अर्चना फौजदार, पर्णिका श्रीवास्तव, लखनउ (लोक नृत्य) ने अपनी प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। सुधा सिन्हा, मीना जैन (भोपाल), प्रो मीना श्रीवास्तव (ग्वालियर), प्रतिभा स्मृति, तंदुला राज आनंद (बिहार), पूजा सचिण (गोवा), उत्तर प्रदेश से मंजु फौजदार(अलीगढ़), सावित्री मिश्रा, क्रान्ति श्रीवास्तव (बोकारो), अंजनी शर्मा (गुरुग्राम), शोभा रानी तिवारी, अलका जैन (इंदौर), व्याख्याता कल्पना गुप्ता, जम्मू (बिखरा हुआ इंसान मैं), अलका पांडे (मुंबई), विधि तिवारी, कलावती कर्वा, आशा मेहरा, शीतल बुतेश्वर , रेणु बाला धर , डॉ सुनिता मंडल (कोलकाता), रजनी शर्मा, विभा राय नवीन, ललिता वर्मा, उषा साहु, गीता राजेन्द्र मिश्रा, गीताजलि, शिवांग दवे, बड़ोदरा, प्रतिभा भारद्वाज, हेमा श्रीवास्तव, कल्पना भदोरिया, आयुषी कुमारी, मेजू रजनी (महाराष्ट) ने भाग लिया।

प्रयागराज के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का एनडीआरएफ टीम ने किया दौरा

(राजेश सरकार/ वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज। जिलाधिकारी के निर्देशन में एनडीआरएफ की टीम बाढ़ संभावित इलाकों का दौरा कर रही है एवं बाढ़ सुरक्षा इंतजामों का जायजा ले रही है। इसी कड़ी में एनडीआरएफ की टीम ने सोमवार को बारा तहसील के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

तहसील के अधिकारियों के साथ टीम कमांडर जगदीश राणा निरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक मारकंडे यादव और उनकी टीम ने बारा तहसील के देवरिया, भिटा, जसारा, कंजासा, मझियारी आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया। बाढ़ संभावित इलाकों का निरीक्षण करते हुए मौके पर तहसीलदार विशाल कुमार शर्मा और लेखपाल व ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

पिछले बाढ़ के अनुभवों को देखते हुए बारा तहसील के देवरिया,भीटा, जसरा, कंजासा, मझीयारी आदि क्षेत्र यमुनाजी के बाढ़ के पानी से अत्याधिक प्रभावित रहते हैं। इस बार बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने कोरोना महामारी के मद्देनजर सामाजिक दूरी का पालन करते हुए पुनर्वास केंद्रों की भी व्यवस्था की गई है।जिसमें शिवालिक पब्लिक स्कूल बीकर भीटा, अनंतराम महाविद्यालय महेरा, जिला पंचायत इंटर कॉलेज मानपुर, प्राइमरी स्कूल इमलिया को पुनर्वास केंद्रों के रूप में चिन्हित किया गया है।

टीम ने प्राथमिक उपचार के तरीकों और सर्पदंश से बचाव के तरीकों के बारे में बताया। साथ ही बताया कि कैसे मास्क लगाकर सामाजिक दूरी का पालन करते हुए, नियमित रूप से हाथों को साफ करते हुए इस करोना महामारी से बचा जा सकता है।

अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन सी से युक्त भोजन करने, योग प्राणायाम के अभ्यास,संतुलित काढ़ा का व गर्म पानी का सेवन इत्यादि तरीकों से इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है।

बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा करने व प्रशिक्षण देने वाली टीम में रेस्क्यूर सौरव सरोज, चंद्रेश और नितिन मौजूद रहे।

बीजेएस के मिशन कोरोना जीरो अभियान का समापन, हजारों लोग हुए लाभान्वित

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बेंगलुरु । भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) द्वारा कर्नाटक सरकार एवं बीबीएमपी के सहयोग से बेंगलुरु शहर में मिशन कोविड 19 जीरो अभियान के 21 दिवसीय कार्यक्रम का समापन हो गया। इसमें करीब 8885 एंटीजन टेस्ट हुए जबकि 880 पॉजिटिव रिपोर्ट हुए।

बीजेएस के बेंगलुरु रीजन के अध्यक्ष विनोद पोरवाल ने बताया कि आयोजन की सफलता हमारे मुख्य डोनर सहयोगी जनों क्रमशः माइक्रोलैब्स ग्रुप, ललित कानूगा, एमके सिल्क, मुकेश साड़ी, केके भंसाली, सिवांची ओसवाल जैन संघ, अचल मकाना, संपतराज मरलेचा, कृष्णा डायमंड एंड ज्वेलर्स, पीरुलाल सिंघवी, धर्मीचंद धोका, सुभाष पोरवाल व महावीर धोका के विशेष योगदानसहयोग से संभव हुई।

बीजेएस की पूरी टीम की ओर से इन सभी सहयोगी जनों का आभार ज्ञापित किया गया। बीजेएस के कर्नाटक प्रभारी ओमप्रकाश लुणावत ने बताया कि देश भर में संगठना द्वारा यह अभियान मिशन कोविड 19 जीरो चलाया जा रहा है, जिसके तहत पूरे बेंगलुरु शहर के हर उम्र वर्ग के लोगों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि हमें खुशी है कि वैश्विक महामारी के इस दौर में बीजेएस की रचनात्मक कार्ययोजना का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने बताया कि भविष्य में भी राष्ट्रहित एवं जनसहयोग के बीजेएस के कार्यक्रम निर्बाध रूप से सुचारू रुप से जारी रहेंगे।

इस कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रफुल्ल पारेख, कर्नाटक प्रान्त इकाई के उपाध्यक्ष सुरेश धोका, सह मंत्री उत्तम बांठिया, राणमल गुलेच्छा, शर्मिला मेहता, अशोक मुणोत, जितेंद्र कवाड़ आदि ने भी विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

सज-धज के तैयार हुए लड्डू गोपाल, आज से जन्मोत्सव

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। शहर और आसपास के क्षेत्रों में श्रीकृष्ण जन्माष्ठी की तैयारियां अंतिम चरण में है। मंदिरों का भव्य सजावट किया जा रहा। लेकिन कोरोना के चलते मंदिरों में विशेष आयोजन नहीं होंगे। लेकिन घर घर में लड्डूगोपाल श्रीकृष्ण की बाल स्वरुप की झांकियां और भजनकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। मंदिर में विभिन्न देवी देवताओं को सजाया जाएगा। बता दें, भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इसी वजह से इस पर्व को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कहते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाकर हर मनोकामना पूरी की जा सकती है। जन्माष्टमी का व्रत करने से संतान प्राप्ति, दीर्घायु और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

हालांकि इस साल जन्माष्टमी तिथि को लेकर लोग काफी कन्फ्यूज हैं। कुछ लोग 11 अगस्त तो कुछ 12 अगस्त को जन्माष्टमी मानकर चल रहे हैं। ज्योतिषाचार्यो की मानें तो 11 और 12 अगस्त, दोनों ही दिन जन्माष्टमी मनाई जाएगी। हालांकि जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले लोगों को एक खास बात का ध्यान रखना होगा। ज्योतिषविद का कहना है कि वैष्णव और स्मार्त दो अलगअलग दिन जन्माष्टमी मनाते हैं। मंगलवार, 11 अगस्त को स्मार्त समुदाय के लोग जन्माष्टमी मनाएंगे। यानी जो शादीशुदा लोग, पारिवारिक या गृहस्थ लोग जन्माष्टमी का व्रत रखेंगे। जबकि बुधवार, 12 अगस्त को उदया तिथि में वैष्णव जन के लोग जन्माष्टमी मनाएंगे। मथुरा और काशी में जितने भी मंदिर है, वहां 12 तारीख को ही जन्माष्टमी होगी। 11 अगस्त को सूर्योदय के बाद ही अष्टमी तिथि शुरू होगी। अष्टमी तिथि मंगलवार, 11 अगस्त सुबह 9:06 बजे से शुरू हो जाएगी। यह तिथि बुधवार, 12 अगस्त सुबह 11:16 मिनट तक रहेगी। वैष्णव जन्माष्टमी के लिए 12 अगस्त का शुभ मुहूर्त बताया गया है। बुधवार रात 12.05 बजे से 12.47 बजे तक बालगोपाल की पूजा अर्चना की जा सकती है। यानी सामान्य जन या गृहस्थ लोग 11 अगस्त को जन्माष्टमी मनाएंगे। जबकि वैष्णव, संन्यासी या बैरागी 12 अगस्त को जन्माष्टमी मनाएंगे। भगवान कृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। आमतौर पर ये दोनों संयोगवश एक साथ ही होते हैं, जिनसे मिलकर जयंती योग बनता है। लेकिन कई बार ऐसा नहीं होता है। ज्योतिषविदों का कहना है कि इस बार भी कृष्ण की जन्म तिथि और नक्षत्र मेल नहीं खा रहे हैं।

'सोशल इंजिनियरिंग' के सहारे 2022 की जंग जीतने की कवायद

पूर्वांचल की कमान होगी मायावती के बेहद करीबी रहे महेंद्रनाथ पांडेय के पास

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। फिरहाल, बसपा सुप्रीमों मायावती ने 2022 के विधानसभा चुनाव की जीतने का तानाबाना बुनना शुरु कर दी है। इसमें वो साल 2007 के सोशल इंजिनियंरिंग को ज्यादा तरजीह देने की रणनीति बनाई है।

पहले चरण में उन्होंने ब्राह्मण समाज की आस्था के प्रतीक परशुराम के नाम पर हर जिले में अस्पताल बनाने और ठहरने की सुविधाओं का निर्माण करने का वादा किया है। लगे हाथ अखिलेश की झूठे ब्राह्मण प्रेम का खुलासा करते हुए मायावती ने कहा, वे अपने कार्यकाल में अनेक जनहित योजनाएं सहित जिलों के नाम संत व महापुरुषों के नाम रखी थी, लेकिन सपा सरकार ने जातिवादी मानसिकता और द्वेष की भावना के चलते बदल दिया था। बसपा की सरकार बनते ही इन्हें फिर से बहाल किया जाएगा। दरअसल, 2007 के विधानसभा चुनाव में मायावती सवर्ण सोशल इंजीनियरिंग के बूते सत्ता में आईं थीं। वहीं, 2012 के चुनावों में अगड़ी जाति के मतदाताओं की नाराजगी मायावती की हार का अहम कारण बना। लेकिन अब दुबारा उसे इस कारण

को नहीं बनने देना चाहती।

मतलब साफ है बगैर सहारा हाथी की चाल नहीं सुधरेगी। सिर्फ दलित बिरादरी की बात करने में पार्टी की बिगड़ी हालत को दुरुस्त करना दूर की कौड़ी है। यही वजह भी रहा कि सपाबसपा गठबंधन वर्ष 2017 के चुनाव में टॉयटॉय फुस्स हो गया। वर्ष 1989 में यूपी विधानसभा का पहला चुनाव लड़ने से बसपा को उस दौर में सिर्फ 13 सीट मिली थी। लेकिन 2007 के सोशल इंजिनियरिंग में उसे 87 फीसदी वोट हासिल हुए थे।

उस दौरान पार्टी की ताकत भी बढ़ी। वर्ष 2017 में बसपा ने सभी 403 सीटों पर उम्मीदवार उतारे लेकिन जीत सिर्फ 19 को ही नसीब हुई। पार्टी का वोट प्रतिशत भी पिछले चुनाव के मुकाबले करीब 4 फ़ीसदी गिरकर 22 फीसदी रह गया। यूं तो प्रत्यक्ष तौर पर वोट शेयरिंग अच्छी है लेकिन वर्ष 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर सरकार बनाई थी तब से लगातार पार्टी का वोट शेयर गिर रहा है। वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 30.43 फीसदी वोट मिला था। पिछले एक दशक में जाटों का 90 फ़ीसदी हासिल करने वाली बसपा को सिर्फ 42 फीसदी ने खुले तौर पर स्वीकार किया, शेष वोटर मौजूदा वक्त में मोदी मैजिक से सम्मोहित नजर आए। नोटबंदी और जीएसटी जैसे फैसले फैसले के बावजूद भी दलित बिरादरी भाजपा से दूर नहीं हुई।

यही वजह है कि पिछड़ी जातियों के साथ इस बार वे अगड़ी जाति खासकर ब्राह्मों को अभी से रिझाने में जुट गयी है। इसके लिए 2022 के चुनाव से पहले तक पूरे सूबे में सम्मेलन से लेकर अन्य कार्यक्रमों की न सिर्फ रुपरेखा तैयार कर चुकी है बल्कि इसे धरातल पर उतारने के साथ बूथ लेबर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी तय कर दी है। इसकी कमान उनके नजदीकी रहे सतीश चंद्र मिश्रा को सौंपी गयी है। पूर्वांचल की कमान मायावती के साथ साएं की तरह रहने वाले महेंद्रनाथ पांडेय को मिली है। इसमें सोनभद्र मिर्जापुर भदोही रंगनाथ मिश्रा के हाथ होगी। खास बात यह है पहले दौर में महेंद्रनाथ पांडेय ने वाराणसी सहित पूर्वांचल के कई जिलों में भाजपा से नाराज चल रहे ब्राह्मण नेताओं को पार्टी से जोड़ते हुए मायावती से मिलाने का कार्यक्रम भी तय कर दी है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

नितिन सेठी और शिव सहाय को एसीजे पत्रकारिता पुरस्कार

नयी दिल्ली, 10 अगस्त । नितिन सेठी और शिव सहाय सिह को क्रमश खोजी पत्रकारिता के लिए एशिया कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म अवॉर्ड और सामाजिक प्रभाव के लिए केपी नारायण कुमार स्मारक अवॉर्ड का विजेता घोषित किया गया। कोविड 19 महामारी के चलते अवॉर्ड समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया। एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म द्वारा जारी बयान के मुताबिक, सेठी ने दि हड्क्षफ्फगटन पोस्ट इंडिया में प्रकाशित श्रृखंला पैसा पॉलिटिक्स की छठी कड़ी के लिए खोजी पत्रकारिता की श्रेणी में यह पुरस्कार जीता। सिंह को उनकी खबर डेथ बाई डिजिटल एक्सक्लुजन ‍ ऑन फैक्ल्टी पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम इन झारखंड के लिए समाजिक प्रभाव वाली पत्रकारिता श्रेणी में यह अर्वाड मिला। इस श्रेणी में यह पहला पुरस्कार है। सिंह की यह खबर द हिंदू में प्रकाशित हुई थी। बयान के मुताबिक निर्णायक मंडल में पत्रकार सेंथिल चंगालवरयन, विद्या सुब्रमण्यिम और जोस मार्टिन थराकन शामिल थे।

जिन्होंने प्रत्येक श्रेणी में चुने गए नामों में से विजेता का चुनाव किया। दोनों पुरस्कारों में ट्राफी और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। वहीं खोजी पत्रकारिता के लिए पुरस्कार राशि दो लाख रुपये है जबकि सामाजिक प्रभाव पुरस्कार के लिए इनाम राशि एक लाख रुपये है। विजेताओं को यह पुरस्कार विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने दिया।

पुलिस द्वारा कथित रूप से पिटाई किए जाने के बाद युवती ने की आत्महत्या

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन में पुलिस इंस्पेक्टर द्वारा कथित रूप से पिटाई किए जाने के बाद एक 22 वर्षीय युवती के आत्महत्या कर ली। यह वाक्या नया रामनगर इलाके का है। पीड़िता निशु चैधरी शनिवार को अपने घर पर फांसी के फंदे से लटकते हुए पाई गईं। उसके परिवारवाले उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। निशु के परिवार के मुताबिक, वह शुक्रवार दोपहर को बलदाऊ चैक मार्केट गई हुई थीं। कुछ दुकानदारों ने पीड़िता और उसके दो दोस्तों पर पासपोर्ट चोरी करने का आरोप लगाया। मौके पर पुलिस को बुलाया गया और उन्हें इंस्पेक्टर योगेश पाठक के हवाले कर दिया गया। पुलिस तीनों को कोतवाली पुलिस स्टेशन लेकर आई और पूछताछ किए जाने के बाद उन्हें उनके परिवारवालों के हाथों सौंप दिया गया। निशु के परिवार के सदस्यों ने कहा कि थाने में योगेश पाठक ने निशु की पिटाई की। शनिवार को उसे पुलिस ने दोबारा कोतवाली में हाजिरी लगाने को कहा था जिसे लेकर वह परेशान थी। परिवार के एक सदस्य ने कहा, इंस्पेक्टर द्वारा पीटे जाने के बाद से वह बहुत परेशान थी। निशु के आत्महत्या करने के बाद उसके परिवारवालों ने थाने जाकर इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया।

अखाड़ा परिषद की मांग, अयोध्या में स्थापित हो सिंघल की मूर्ति

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (एबीएपी) ने मांग की है कि विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता दिवंगत अशोक सिंघल की मूर्ति अयोध्या और प्रयागराज में स्थापित की जानी चाहिए। सिंघल राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी नेता थे। एबीएपी ने यह भी कहा है कि अयोध्या में मंदिर आंदोलन के दौरान जान गंवाने वालों की याद में एक कीर्ति स्तम्भ (स्मारक स्तंभ) भी बनाया जाना चाहिए। एबीएपी के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने कहा, मंदिर आंदोलन में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के नाम भी स्तंभों पर अंकित किए जाने चाहिए। संतों की योजना है कि एबीएपी में यह प्रस्ताव पारित करने के बाद केन्द्र को इस विषय में एक औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाए। इसके लिए एबीएपी की अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में नवरात्रि के दौरान होने जा रही बैठक में आगे की कार्रवाई होगी।

एबीएपी के महासचिव स्वामी हरि गिरी ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए दशकों तक संघर्ष चला और इस दौरान कई लोगों की जान गईं। विहिप के पूर्व प्रमुख अशोक सिंघल ने पूरी जिंदगी इसके लिए संघर्ष किया और कोठारी बंधुओं की 2 नवंबर, 1990 को अयोध्या में पुलिस फायरिंग में मौत हो गई।

बीजेपी कार्यकर्ता हो जाएं तैयार, तेलंगाना में खिलाना है ‘कमल’

टीआरएस सरकार से जनता का मोह भंग, बीजेपी ही एक विकल्पः नड्डा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 10 अगस्त । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से तेलंगाना के नौ जिला भाजपा कार्यालयों के भूमिपूजन किया। साथ ही कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि तेलंगाना की जनता चाहती है कि राज्य में कमल की सरकार बने।

राज्य की जनता का टीआरएस सरकार से मोहभंग हो चुका है, लिहाजा लोगों की आशाएं केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी से है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आहवान किया कि हमें आगामी विधान सभा चुनाव में टीआरएस का सूपड़ा साफ करना है और यहां कमल खिलाना है। भाजपा चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश भर में चल रही अविरल विकास यात्रा का लाभ तेलंगाना की जनता को भी मिले।

इस मौके पर नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय पार्टी के विकास, जनता से जुड़ाव, कार्यकर्ताओं के निर्माण और समन्वय की नींव होते हैं। तेलंगाना 9 जिला कार्यालयों का भूमिपूजन हो रहा है।

महबूबनगर, नलगोंडा और हैदराबाद कार्यालयों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। पांच अन्य जिलों में काम चल रहा है। 12 जिलों में निर्माण का काम पूरा हो गया है। शेष सभी कार्यालयों का निर्माण कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के 9 जिला कार्यालयों का भूमिपूजन किया

कार्यालय व्यवस्थित तरीके से कार्यकर्ता के निर्माण का केंद्र होता है। हमारे पास कार्यकर्ता हैं, कार्यकारिणी है, कार्यक्रम है तो इस सबके संचालन के लिए कार्यालय आवश्यक है।

इस मौके पर नड्डा ने कहा कि जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी कोविड संक्रमण काल में मानवता की सेवा में जीजान से लगी हुई है, वहीं दूसरी ओर तेलंगाना की टीआरएस सरकार कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने में लगी है, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूँ।

किस तरह ऑक्सीजन की कमी के चलते तेलंगाना में एक पत्रकार की जान चली जाती है और राज्य सरकार की कानों पर जूं तक नहीं रेंगती, इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या हो सकता है! कोविड के खिलाफ अकर्मण्यता के चलते राज्य की टीआरएस सरकार को हाईकोर्ट से फटकार भी लग चुकी है लेकिन ये तेलंगाना सरकार है कि सुनती ही नहीं। तेलंगाना सरकार एक सोई हुई सरकार है जो मानवता से जुड़े मुद्दों पर भी उदासीन है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना की टीआरएस सरकार केंद्र सरकार की जनोपयोगी योजनाओं को राज्य में लागू नहीं होने देती। टीआरएस सरकार ने तेलंगाना में विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान भारत को लागू नहीं होने दिया जिससे देश के एक करोड़ से अधिक लोग अब तक लाभ उठा चुके हैं।

इस योजना के लागू न होने से कोविड संक्रमण काल में राज्य के गरीबों को काफी परेशानी हुई है। इस योजना से राज्य के लगभग 98 लाख लोग लाभान्वित होते। तेलंगाना में हर जगह भ्रष्टाचार व्याप्त है। अपने पहले कार्यकाल के चुनाव में ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने 7 लाख घरों के निर्माण का वादा किया था जबकि विगत छ‍ वर्षों से अधिक समय में अब तक केवल 50 हजार घर ही बनाए जा सके हैं।

बहुप्रतीक्षित गोदावरीकालेश्वरम योजना जो 45,000 करोड़ की थी, अब सरकार की लेटलतीफी और लापरवाही के कारण 85 हजार करोड़ रुपये का हो गया है।

तेलंगाना सरकार ने युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था लेकिन इस पर अब तक कोई अमल नहीं हुआ। तेलंगाना सरकार को न तो युवाओं की चिंता है, न रोजगार की चिंता है। यहाँ तक की गरीबों के लिए केंद्र सरकार की ओर से मुफ्त राशन वितरण में भी राज्य में धांधली सामने आई है।

शाह फैसल ने छोड़ी पॉलिटिक्स, कहा मुझे भारत विरोधी कहना सही नहीं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। शाह फैसल ने पहले आईएएस की नौकरी छोड़ी और अब उन्होंने राजनीती को भी अलविदा कह दिया है। संकेत मिल रहे हैं कि शाह वापस प्रशासनिक सेवा की तरफ रूख करेंगे। एक मीडिया चैनल में हुई बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वो राजनीती छोड़ रहे हैं।

उन्होंने ये भी कहा कि लोग मुझे भारत विरोधी कह रहे हैं, ये मेरे लिए अकल्पनीय है। मैं आईएएस के रूप में इस देश के भविष्य के लिए हितधारक रहा हूं। लेकिन कुछ लोग अब मुझे भारत विरोधी कहते हैं।

शाह ने कहा कि मुझे भारत विरोधी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, जिसने मुझे लाइफ में सबकुछ दिया, उनके लिए कुछ भी गलत नहीं सोचा जा सकता। मैं अब आगे बढ़ता चाहता हूं और नई शुरुआत करना चाहता हूं। शाह फैसल ने कहा। जीवन रूक नहीं सकता, नहीं रूकता। हमारे सामने अशिक्षा, असमानता, गरीबी और बेरोजगारी जैसे बड़ी चुनौतियां हैं। मैं अगली बार कहां जाऊंगा ये समय बताएगा लेकिन हमें इन समस्याओं के बारे में कुछ करना

होगा। बताते चले कि फैसल को भी धारा 370 हटाने से पहले ही बाकी नेताओं की तरह हिरासत में रखा गया था और कुछ समय पहले ही उन्हें रिहा किया गया है। छोड़े जाने के बाद से ही शाह फैसल ने ये पार्टी छोड़ने का फैसला लिया है।

वहीँ, फैसल के पार्टी छोड़े जाने को सही बताते हुए जम्मू एंड कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट के सीनियर नेता फिरोज पीरजादा ने कहा है कि ये सही है कि शाह ने खुद को अलग कर लिया है, पार्टी ने मुझे जिम्मेदारी दे दी है। राजनीती छोड़ने के बाद अब शाह फैसल फिर से सिविल सेवा जॉइन कर सकते हैं, क्योंकि उनका दिया हुआ इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है।

हालांकि उन्होंने खुद इस्तीफा दिया था और पार्टी का गठन किया था लेकिन फिर भी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया।

MSME के लिये 10,000 करोड़ का निवेश कोष होगा शुरू

आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज में घोषित फंड जल्द परिचालन में लाया जायेगा

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 10 अगस्त। दबाव झेल रहे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देने के लिये 50,000 करोड़ रुपये तक का इक्विटी समर्थन उपलब्ध कराने के वास्ते प्रधानमंत्री के 21 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज में घोषित फंड आफ फंड्स को जल्द ही परिचालन में लाया जायेगा। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन रजनीश कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी कहा। ऐसा कोष शेयरपूंजी निवेश करने वाले कोषों की मदद करते हैं।

इस 10,000 करोड़ रुपये के फंड आफ फंड्स योजना का उद्देश्य वृद्धि के बेहतर संभावनाओं वाले एमएसएमई को मौजूदा कठिन समय में मदद उपलब्ध कराना है। ऐसे समय जब ये छोटी इकाइयां कम राजस्व और इक्विटी पूंजी की कमी से जूझ रहीं हैं। एमएसएमई की मदद के लिये उठाये गये विभिन्न कदमों के बारे में बताते हुये रजनीश कुमार ने कहा कि कोविड19 महामारी के कारण प्रभावित ऐसे व्यवसायों की नकदी की स्थिति में सुधार लाने के लिये बैकों ने आपात रिण सुविधा की घोषणा की है। मुश्किल में फंसे एमएसएमई के लिये एक अन्य उपाय सरकार की तरफ से

दी गई गारंटी के साथ तरलता विस्तार के तौर पर अधीनस्थ रिण के जरिये समर्थन देने का किया गया है।

फिक्की द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में कुमार ने कहा, फंड आफ फंड्स, मैं समझता हं कि जल्द ही परिचालन में आ जायेगा। इस तरह के उपायों से वित्त के लिहाज से मदद की जा सकेगी।’’ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में 21 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत फंड आफ फंड्स की घोषणा की थी। इसके जरिये वहनीय और वृद्धि की संभावना वाले एमएसएमई की मदद की जा सकेगी। इक्विटी की भारी तंगी के बावजूद इस फंड के जरिये उन्हें मदद मिल सकेगी। सीतारमण ने कहा कि फंड आफ फंड्स योजना में एक मूल कोष होगा जिसके अधीन कुछ छोटे कोष होंगे।

इन कोषों के जरिये एमएसएमई को उनके आकार और क्षमता को बढ़ाने के लिये मदद की जा सकेगी। इसके साथ ही एमएसएमई को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिये भी प्रोत्साहन दिया जायेगा।

फंड आफ फंड्स योजना के तहत ऊंचे कर्ज का दबाव झेल रहे एमएसएमई की 15 प्रतिशत पूंजी की खरीद का प्रस्ताव है। इसके जरिये अपने शुरुआती दौर से गुजर रहे नवजात कारोबारों को मदद दी जायेगी जिनके लिये पेशेवर कंपनियों अथवा उद्यम पूंजी कोषों से पूंजी जुटाने की कोई संभावना नहीं है।

रजनीश कुमार ने बैंकों के अन्य प्रयासों के बारे में बताया कि बैंक ने हाल ही में एमएसएमई के लिये एक गोल्ड लोन’ योजना की शुरुआत की है। एक महीने के भीतर ही इस योजना के तहत 88 करोड़ रुपये का रिण मंजूर किया गया है।

उन्होंने कहा, यह एक प्रकार से बेकार रखे गये सोने का व्यवसाय के लिये मौद्रीकरण करने के समान है। आपके आभूषण और सोने की सुरक्षा हम सुनिश्चित कर रहे हैं, आपको लॉकर के लिये भी भुगतान नहीं करना है।

जामिया के डेंटल सर्जन ने इंसान के निचले जबड़े में खोजा ‘फोरामेन’

नई दिल्ली, 10 अगस्त (वेबवार्ता)। मानव शरीर की जटिलताओं को सुलझाने की दुनिया भर में चल रही कोशिशों के बीच, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री (एफओडी) के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन ने निचले जबड़े के बारे में एक नई खोज की है।

इस ‘फोरामेन’ की खोज से जबड़े के ऑपरेशन करने वाले दुनिया भर के सर्जनों को अतिरिक्त एहतियात बरतने का मौका मिलेगा और वहां अकसर लोकल एनेस्थीसिया के फेल होने के रहस्य की गुत्थी भी सुलझेगी। जामिया के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. इमरान खान की यह खोज, हाल ही में अमेरिका के प्रतिष्ठित साइंटिफिक जर्नल ‘ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी केस’ सितंबर2020 संस्करण में छपी है। डा. इमरान की इस खोज ने मानव के निचले जबड़े की एनाटोमि के एक नए रहस्य का राज खोला है। इंसान के निचले जबड़े को चिकित्सीय शब्दावली में फोरामेन कहा जाता है। फोरामेन में इस नई खोज को नॉवेल एब्रेंट मैंडिबुलर एंगल फोरामेन (एनएएमएएफ) नाम दिया गया है। इससे पहले निचले जबड़े के इस क्षेत्र में किसी ने फोरामेन नहीं देखा था। डा. इमरान ने एक ऑपरेशन के दौरान इसे खोजा।

प्रकाशित नई रिपोर्ट में डॉ देबोराह सिबिल (प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जेएमआई), डॉ मनदीप कौर (प्रोफेसर और ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल रेडियोलॉजिस्ट, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जेएमआई), डॉ निकहत मंसूर (प्रोफेसर, बायोसाइंसेज विभाग, जामिया), डॉ इफरा इफ्तिखार (मैक्सिलोफेशियल सर्जन, नई दिल्ली), डॉ रिजवान खान (हड्डी रोग विशेषज्ञ, जामिया हमदर्द) और डॉ शुभांगी प्रेमचंदानी (इंटर्न, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जेएमआई) शामिल हैं।

यूपी में 4,197 नए केस लखनऊ में हालात बेकाबू

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 4000 से ज्यादा कोरोना मरीजों के मिलने का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। पिछ्ले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में 4,197 केस मिले हैं जबकि 51 लोगों की मौत हुई है। राहत की बात रही कि बीते 24 घंटों के दौरान 4,078 मरीज डिस्चार्ज भी हुए हैं। रविवार को प्रदेश में 91,020 नमूनों की जांच की गई थी।

प्रदेश में कोरोना महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,120 हो गई है। राज्य में सोमवार शाम तक ऐक्टिव मरीजों की संख्या 47,878 हो गई। इनमें से 19,635 लोग होम आइसोलेशन में हैं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि राज्य में होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों की कुल संख्या 32,774 हो गई है इनमें से 13,139 लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 76,724 मरीज इस बीमारी को मात देकर पूरी तरह ठीक हो चुके हैं।

कोरोना से राजधानी लखनऊ में हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। पिछ्ले करीब एक हफ्ते से यहां 600 से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। बीते 24 घंटों के दौरान राजधानी लखनऊ में कोरोना के 629 मरीज मिले हैं जबकि 373 मरीज डिस्चार्ज भी हुए हैं। इसके साथ ही राजधानी में ऐक्टिव मरीजों की संख्या 6,337 हो गई है। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जयप्रताप सिंह कोविड19 से पूरी तरह ठीक होकर सोमवार को काम पर वापस आ गए।

उन्होंने कहा, मैं अब ठीक हूं, गुरुवार को ही मैं कोरोना मुक्त हो गया था। उसके बाद मैं पांच दिन आइसोलेशन में रहा। आज मैं अपने ऑफिस आ गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक में शामिल हुआ। स्वास्थ्य मंत्री 24 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। 2 अगस्त को राज्य की कैबिनेट मंत्री कमला रानी वरुण (62) का कोविड19 से निधन हो गया था। राज्य के एक अन्य मंत्री ब्रजेश पाठक भी कोविड19 से संक्रमित हैं और पीजीआई में उनका इलाज चल रहा है।

महामारी के कारण तिरंगे की बिक्री में आई भारी गिरावट

लखनऊ। कोरोना वायरस महामारी के कारण स्कूल, कॉलेज और ज्यादातर निजी प्रतिष्ठान बंद हैं, जिसके चलते स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों को लेकर भी अनिश्चितता है। इसका सीधा असर खादी ग्राम उद्योग द्वारा बनाए गए तिरंगों की बिक्री पर पड़ा है। लखनऊ में खादी आश्रम के एक कर्मचारी ने कहा, हर साल हम राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री में वृद्धि देखते आ रहे हैं।

लेकिन इस साल इसकी मांग न के बराबर है। सरकारी कार्यालयों को छोड़कर, अधिकांश निजी प्रतिष्ठान ध्वजारोहण समारोह नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि चूंकि हर कोई घर से काम कर रहा है, ऐसे में समारोह के लिए कर्मचारियों को बुलाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 70 फीसदी बिक्री स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में होती है, लेकिन इस साल उनकी ओर से शायद ही कोई ऑर्डर मिले हैं। लिहाजा कारोबार में 90 फीसदी तक की गिरावट आई है। ब्रिकी में कमी के पीछे एक और कारण एमेजॉन जैसी साइट्स के जरिए तिरंगों की ऑनलाइन बिक्री होना है। एक कर्मचारी ने कहा, लोग बाजार जाने से बच रहे हैं इसलिए वे ऑनलाइन खरीदी कर रहे हैं।

इससे भी हमारी बिक्री प्रभावित हुई है। मेरठ में खादी इकाई के डाइंग और प्रिंटिंग विभाग के मैनेजर भूपिंदर कुमार उपाध्याय ने कहा, सस्ते सिंथेटिक झंडे की आमद ने भी हमारे व्यापार को प्रभावित किया है। जबकि भारत के संविधान ने विशेष रूप से उल्लेख किया है कि तिरंगे को कपास की खादी से बनाया जाना चाहिए। एक समय था जब 800 श्रमिक यहां काम करते थे लेकिन आज लगभग सात श्रमिक हैं।

गौरतलब है कि ज्यादातर खादी यूनिट में राष्ट्रीय झंडे का उत्पादन मार्च से शुरू होता था लेकिन इस साल लॉकडाउन के कारण करीब चार महीने से उत्पादन ठप है।

ईडी ने रिया चक्रवर्ती व परिवार से फिर से पूछताछ शुरू की

रिया, उनके भाई शौविक तथा पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती को जारी हुआ था सम्मन

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 10 अगस्त । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेता सुशांत राजपूत की मौत से संबंधित धन शोधन के मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती तथा उनके परिवार से सोमवार को फिर से पूछताछ शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि रिया, उनके भाई शौविक तथा पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती सुबह 11 बजे बलार्ड एस्टेट इलाके में स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। उन्हें सोमवार को पेश होने के लिए सम्मन किया गया था। बाद में रिया और राजपूत की कारोबारी प्रबंधक श्रुति मोदी भी ईडी के दफ्तर पहुंची। सभी चारों से सात अगस्त को भी केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूछताछ की थी। दोपहर दो बजे के बाद राजपूत के दोस्त व रूममेट सिद्धार्थ पटानी भी ईडी के दफ्तर पहुंचे। उनका बयान भी जल्द ही रिकॉर्ड किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कई समाचार चैनलों से कहा था कि वह 14 जून को बांद्रा के फ्लैट पर मौजूद थे जब 34 वर्षीय अभिनेता ने खुदकुशी की थी। पटानी ने बताया था कि वह राजपूत के साथ करीब एक साल से रह रहे थे और उन्होंने पहले मुंबई पुलिस में दुर्घटनावश मौत रिपोर्ट (एडीआर) के तहत अपना बयान दर्ज कराया था।

शौविक से अब तक करीब 22 घंटे पूछताछ की जा चुकी है। शौविक रातभर की पूछताछ के बाद रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे यहां ईडी कार्यालय से निकले थे। उससे शनिवार दोपहर के करीब पूछताछ शुरू हुई थी। मामले में मुख्य आरोपी रिया (28) से शुक्रवार को करीब आठ घंटे पूछताछ की गई थी। शुक्रवार को ईडी ने रिया के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) तथा मोदी से भी पूछताछ की थी। . समझा जाता है कि

एजेंसी ने रिया से दिवंगत अभिनेता के साथ दोस्ती, कारोबारी सौदों एवं दोनों के बीच पिछ्ले कुछ वर्षों के दौरान घटित बातों के बारे में पूछताछ की थी। रिया ने अदालत में दायर की गयी याचिका में कहा था कि वह राजपूत के साथ सहजीवन में थी। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की पूछताछ रिया की आय, निवेश, कारोबार और पेशेवर सौदों पर केंद्रित थी। ईडी की नजर शहर के खार इलाके और नवी मुम्बई में रिया से संबंधित संपत्तियों, उनकी खरीद और स्वामित्व के स्रोत पर है। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि ईडी रिया से उनकी आय, व्यय और निवेश के बीच कथित रूप से मिलान नहीं होने के बारे में जवाब चाहती है। उनका कहना है कि रिया ने अपनी आय करीब 14 से 18 लाख रूपये होने का जिक्र करते हुए आयकर रिटर्न फाइल किया था लेकिन उनके निवेश का मूल्य कथित रूप से ज्यादा है। सूत्रों के अनुसार, रिया ने एजेंसी को बताया कि उन्होंने अपनी आय, बचत से संपत्ति में निवेश किया है और बैंक से ऋण लिया है।

उन्होंने बताया कि उनके पिता ने कहा है कि वह सेवानिवृत्त रक्षा कर्मी हैं और उन्हें पेंशन के रूप में हर महीने एक लाख रुपये मिलते हैं। रिया पर राजपूत के पिता ने उनके बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। शुरू में रिया ने उचतम न्यायालय में अपनी अपील लंबित होने का हवाला देकर ईडी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया था। उचतम न्यायालय में मामले पर 11 अगस्त को सुनवाई होनी है। रिया ने शीर्ष अदालत से दरख्वास्त की है कि बिहार पुलिस द्वारा उनके विरूद्ध दर्ज मामले को मुम्बई पुलिस को स्थानांतरित किया जाए।

रिया ने शनिवार को अपने वकील के जरिए एक नोटबुक का पन्ना साझा किया और दावा किया कि राजपूत ने उनका तथा उनके परिवार का आभार जताने के लिए इस नोट को लिखा था। रिया ने एक पानी पीने के सिपर (बोतल) की भी तस्वीर साझा की जो राजपूत की 2019 में आई फिल्म छिछोरे’ से जुड़ी प्रचार सामग्री है। उन्होंने मीडिया को तस्वीर के साथ भेजे संदेश में कहा, सुशांत की केवल यही चीज मेरे पास बची हैं।’’ समझा जाता है कि पूछताछ के दौरान ईडी रिया, शौविक और मोदी का कुछ बैंक बयानों को रखकर आमना सामना कराया है। इन बैंक खातों में कथित रूप से पता चलता है कि राजपूत और रिया के खातों से थोड़ी रकम शौविक के खाते में भेजी गई है।

राजपूत के 74 वर्षीय पिता के के सिह ने पटना में 25 जुलाई को रिया, उनके पिता इंद्रजीत, मां संध्या चक्रवर्ती, शौविक, राजपूत के प्रबंधक सैमुअल मिरांडा, मोदी और अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी तथा उनके बेटे को खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को एक नया मामला दर्ज किया और इन्हीं लोगों को आरोपी बनाया है। सिह ने अपने बेटे के बैंक खातों में आर्थिक अनियमितता का भी आरोप लगाया है।